website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

वर्ष :13 | अंक : 220 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 19 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

खबर संक्षेप

वाड्रा की 43 संपत्तियां जब्त, चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने

चार्जशीट दाखिल की है। वाड्रा की 43 संपत्तियों को भी जब्त कर लिया है, जिनकी कीमत 36 करोड़ के करीब बताई जा रही है। ईडी ने चार्जशीट फाइल की है। बताया जा रहा कि चार्जशीट में वाड्रा के अलावा कुछ और लोगों एवं कंपनियों के भी नाम शामिल हैं।

पटना के बड़े प्राइवेट अस्पताल में गोली मारी

पटना। यहां के राजा बाजार अवस्थित बिहार के निजी क्षेत्र के बड़े हॉस्पिटल पारस में हथियारबंद

अपराधियों ने अस्पताल में घुसकर मरीज की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक चंदन मिश्रा बक्सर का रहने वाला था और हत्या के एक मामले में बेऊर जेल में बंद था। गंभीर रूप से बीमार होने के बाद उसे पारस हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था।

असम में झड़प में एक शख्स की मौत

गोवालपाड़ा। असम के गोवालपाड़ा जिले के पैकन आरक्षित वन में उग्र भीड़ और

सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़प में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिसकर्मियों सहित कई अन्य घायल हुए हैं। वन रक्षकों और पुलिसकर्मियों पर भीड़ ने लाठियों से हमला किया। वे पैकन आरक्षित वन के हिस्से की घेराबंदी करने गए थे।

भिखारियों के साथ दिखें बच्चे तो करें डीएनए टेस्ट

अमृतसर। पंजाब सरकार ने भिखारियों के बच्चों और वयस्कों केडीएनए टेस्ट के आदेश दिए हैं

ताकि संबंधों की पुष्टि हो सके। बच्चों की तस्करी और भीख मांगने उनके शोषण पर रोक लगाने के उद्देश्य से, पंजाब सरकार ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि वे सड़कों पर वयस्कों के साथ भीख मांगते पाए जाएं तो बच्चों का डीएनए टेस्ट किया जाए ताकि पहचान हो सके।

डूबने से 2 सगे भाई समेत 3 बच्चों की मौत

गुजरात। राजकोट के जामकंडोरणा तालुका के पडरिया गांव से एक दिल दहला देने वाली

घटना सामने आई है, जहां एक झील में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय तैराक, बचाव कर्मी और पुलिस कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद तैराकों ने तीनों बच्चों के शवों को झील से बाहर निकाला।

बिहार में चुनाव आयोग की जांच में बड़ा खुलासा

5.76 लाख मतदाता कई जगहों पर पंजीकृत 12.55 लाख की मौत, 35.69 लाख 'लापता'

एजेंसी ▶▶ पटना

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जारी रहने के साथ, आधिकारिक आंकड़े यह भी बताते हैं कि लगभग 7.90 करोड़ मतदाताओं में से बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर किए

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक अहम आंकड़ा सामने आया है। चुनाव आयोग (ईसी) ने अब तक पाया है कि बिहार में 5.76 लाख से ज्यादा मतदाता कई जगहों पर पंजीकृत हैं और 12.55 लाख से ज्यादा मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है।

राज्य की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जारी रहने के साथ, आधिकारिक आंकड़े यह भी बताते हैं कि लगभग 7.90 करोड़ मतदाताओं में से बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण के दौरान 35.69 लाख से अधिक मतदाता अपने पते पर नहीं पाए गए। चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार 17.37 लाख से ज्यादा मतदाता संभवतः स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए हैं। चुनाव आयोग ने रेखांकित किया कि आने वाले दिनों में ये आंकड़े बदलेंगे।

समय सीमा में फार्म जमा करने की सुविधा दी

चुनाव आयोग ने कहा था कि बिहार के कुल 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 6.60 करोड़ से ज्यादा यानी 83.66 प्रतिशत मतदाताओं के नाम 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के मसौदे में शामिल किए जाएंगे। इस सूची में वे सभी मतदाता शामिल होंगे जिनके फॉर्म समय सीमा तक प्राप्त हो गए हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में हकीकत आई सामने

मतदाताओं से संपर्क का प्रयास भी किया जा रहा

अखबारों में विज्ञापनों और राज्य से अस्थायी रूप से बाहर गए मतदाताओं से सीधे संपर्क के जरिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे समय पर अपने गणना फॉर्म (ईएफ) भर सकें और उनके नाम भी मसौदा मतदाता सूची में शामिल हो सकें।

जो पते पर नहीं मिले, सियासी दलों को देंगे जानकारी

चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट रिवीजन के तहत एक बड़ा खुलासा किया है। बिहार के करीब 35.7 लाख मतदाता ऐसे पाए गए हैं, जो अपने पते पर मौजूद नहीं हैं। ये आंकड़ा बिहार के कुल 7.9 करोड़ मतदाताओं का लगभग 4.5 फीसदी है। बूथ लेवल अधिकारियों ने ऐसे मतदाताओं के पते पर तीन बार अनिवार्य दौरे किए, लेकिन फिर भी वे वहां नहीं मिले। अब चुनाव आयोग ने तय किया है कि इन मतदाताओं की जानकारी राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों और 1.5 लाख बूथ लेवल एजेंट्स के साथ साझा की जाएगी ताकि वे 25 जुलाई तक इन मतदाताओं की वास्तविक स्थिति की पुष्टि कर सकें।

भाजपा के जफर ने किया राहुल पर करारा वार

राहुल की बातें उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसी

नई दिल्ली। असम में कांग्रेस के सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार को

लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा को जेल भेज देने के दावे को लेकर राहुल गांधी की तीखी आलोचना करते हुए भाजपा प्रवक्ता जफर इस्लाम ने कहा कि भ्रष्टाचार के बारे में कांग्रेस नेता का बात करना ऐसा लग रहा है जैसे कि चोर चौकीदारी की बात करे। कांग्रेस की ये बातें पूरी तरह अशोभनीय हैं।

चुनाव आयोग है या 'इलेक्शन चोरी' शाखा!

राहुल और तेजस्वी का ईसी पर हमला

बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर सीधा हमला बोला है। राहुल ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग अब 'इलेक्शन चोरी' शाखा बन चुका है। राहुल ने दावा किया है कि बिहार में वोट चोरी पकड़ी गई है।

चुनाव आयोग बोला अपात्रों को हटा रहे पात्रों को जोड़ रहे

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को मतदाता सूची की सफाई में लोगों की सक्रिय भागीदारी के लिए बिहार के मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया 22 साल बाद की जा रही है और इसका मकसद अपात्र वोटरों को हटाना है।

काम हम करते हैं, लाउडस्पीकर वे चला रहे

राहुल ने आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधियों से उनके प्रमुख मुद्दों पर गहन चर्चा की। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा समेत अन्य इलाकों से आए आदिवासी नेताओं ने कहा कि हम पर हमले हो रहे हैं। राहुल ने कहा काम हम कर रहे जबकि भाजपा केवल लाउडस्पीकर बजा रही है।

तेजस्वी बोले- प्रक्रिया लोकतंत्र के लिए खतरा

तेजस्वी ने भी आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमें विशेष पुनरीक्षण से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे जिस तरीके से किया जा रहा है, वह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। हम लोकतंत्र को खत्म होते हुए नहीं देख सकते। हम हर मंच पर इसके खिलाफ लड़ेंगे। हम देश के तमाम बड़े नेताओं को पत्र लिख रहे हैं।

24 घंटे में दूसरी बार मिले उद्धव-फडणवीस

20 मिनट की मुलाकात से 20 तरह की अटकलें

पुराने गठबंधन का नया संकेत!

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर करवट लेती दिख रही है। बुधवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अप्रत्यक्ष रूप से सत्ताधारी पक्ष में शामिल होने का प्रस्ताव दिया। इसके ठीक एक दिन बाद गुरुवार को दोनों नेताओं की मुलाकात विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कार्यालय में हुई। यह बैठक करीब 20 मिनट तक चली। इस बैठक में आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे। इन दो मुलाकातों ने राजनीतिक गलियारों में नई संभावनाओं को जन्म दे दिया है। हालांकि दोनों पार्टी की ओर से इस मुलाकात को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है।

उद्धव चाहें तो सत्तापक्ष में आएं

फडणवीस ने साफ कहा कि भाजपा 2029 तक विपक्ष में जाने वाली नहीं है। उन्होंने उद्धव को इशारों में संदेश देते हुए कहा कि वे चाहें तो किसी अलग रास्ते से सत्तापक्ष में आ सकते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब उद्धव लगातार भाजपा और शिंदे सरकार की तीन-भाषा नीति को लेकर आलोचना कर रहे हैं। शिवसेना और भाजपा ने 25 साल तक साथ मिलकर महाराष्ट्र में राजनीति की। लेकिन 2014 में सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों में दरार आ गई। 2019 में उद्धव ठाकरे ने भाजपा से नाता तोड़कर कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। लेकिन 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद सरकार गिर गई और फडणवीस शिंदे के साथ आ गए।

ठाकरे और भाजपा के साथ आने की अटकलें

फडणवीस और उद्धव की मुलाकातों को लेकर अब यह अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या दोनों पुराने साथी एक बार फिर साथ आ सकते हैं? खास बात यह है कि फडणवीस का बयान और फिर उनकी मुलाकात ऐसे समय हुई है जब उद्धव शिंदे सरकार पर तीखे हमले कर रहे हैं और एमएनएस के साथ तालमेल की चर्चा चल रही है। राज और उद्धव के बीच बढ़ती नजदीकियों ने भाजपा को सोचने पर मजबूर किया है। अगर मराठी वोट बैंक को लेकर ठाकरे बंधु एक हो जाते हैं तो भाजपा को राजनीति में नुकसान हो सकता है। इसलिए फडणवीस की कोशिश यही मानी जा रही है कि किसी भी हालत में उद्धव को अपने पाले में वापस लाया जाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने परियोजनाओं को लेकर की समीक्षा बैठक

यमुनानगर के प्लाईवुड उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए एक विस्तृत कार्य-योजना तैयार करने के निर्देश

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुनानगर के प्लाईवुड उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए एक विस्तृत कार्य-योजना तैयार करने के निर्देश दिए ताकि इस क्षेत्र के बरसों पुराने प्लाईवुड उद्योग को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, जगाधरी के धातु उद्योग को भी पुनर्जीवित करने के लिए मास्टर-प्लान बनाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को यहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव कार्यालय, गृह विभाग, श्रम विभाग, उद्योग एवं वाणिज्य,मत्स्य और आयुष विभागों सहित अन्य विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, मत्स्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ राजा शेखर वुंडरू, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण कुमार गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के मकरंद पांडुरंग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सैनी ने अधिकारियों को विकसित भारत के चार स्तंभ युवा, महिला, किसान और गरीब के कल्याणार्थ नीति निर्माण करने और नियमों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नीतियां बनाते समय इन वर्गों की वास्तविक आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए तथा योजनाओं में समावेशिता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए। सीएम ने निर्देश देते हुए कहा कि वॉक-टू-वर्क नीति के तहत सरकार की कार्यस्थलों के नजदीक के शहरों में श्रमिकों के लिए आवासीय सुविधाएं विकसित करने की योजना है। इसके लिए सीएसआर के तहत कॉरपोरेट संस्थानों को जोड़ने की संभावनाएं तलाशी जाएं। इसके क्रियान्वयन से श्रमिकों को सस्ती दरों पर आवास सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। मुख्यमंत्री ने सुझाव देते हुए कहा कि इन आवासीय क्षेत्रों में कैंटीन की सुविधा भी विकसित करने की कार्य-योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के अनुसार उत्पादित होने वाली फसलों के अनुरूप वहां खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने की कार्य-योजना बनाई जाए, ताकि किसान भी परंपरागत फसलों के अलावा मार्केट के अनुसार फसलों की खेती कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि छोटे-छोटे क्लस्टर चिह्नित करके फसलों के अनुसार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएं।

सभी प्रमुख मार्गों पर कहीं भी गड्ढे न हों: सीएम

मुख्यमंत्री सैनी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से एक मजबूत सड़क सुरक्षा नीति बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख मार्गों पर कहीं भी गड्ढे न हों, साथ ही, जिन स्थानों पर बार-बार दुर्घटनाएं हो रही हैं, उन्हें 'ब्लैक स्पॉट्स' के रूप में चिन्हित कर वहां त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी सर्दियों के मौसम, धुंध व कोहरे को देखते हुए दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सड़कों पर उपयुक्त साइनेज लगाए जाएं।

केंद्र और हरियाणा सरकार पर हमला

हिसार में दलित युवक गणेश वाल्मीकि की हत्याः राहुल गांधी ने उठाया सामाजिक न्याय का मुद्दा

हरियाणा के हिसार में 16 वर्षीय दलित युवक गणेश वाल्मीकि की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। इस मामले में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार और हरियाणा प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस घटना को न केवल एक अपराध, बल्कि मनुवादी सोच का परिणाम बताया है, जो दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों को बढ़ावा दे रही है। इस मामले पर 'एक्स' पर राहुल ने एक भावनात्मक और कड़ा बयान जारी किया। वाल्मीकि की हत्या और उनके परिवार के साथ हुई बर्बरता सिर्फ एक अपराध नहीं है, बल्कि यह मनुवादी सिस्टम का वह घिनौना चेहरा है, जो आज भारत में बहुजनों के जीवन को सस्ता समझता है और उन्हें समानता व सम्मान का हकदार नहीं मानता। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने न केवल इन अत्याचारों पर चुप्पी साधी है, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करके पुलिस और प्रशासन को अपराधियों की ढाल बना दिया है। राहुल गांधी ने कहा, मोदी के दौर में दलित होना, गरीब होना, वंचित होना - जैसे अपराध बन गया है। गणेश वाल्मीकि की मौत सिर्फ एक इंसान की नहीं, बल्कि संविधान की हत्या है, बाबा साहब आंबेडकर के सपनों की हत्या है।

वाल्मीकि अपने जन्मदिन के अवसर पर अपने घर में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर रहे थे। रात करीब 11 बजे हिसार पुलिस मौके पर पहुंची और डीजे बंद करने को लेकर विवाद शुरू हो गया। परिजनों और स्थानीय दलित संगठनों का आरोप है कि पुलिस ने गणेश और उनके परिवार के साथ मारपीट की। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर गणेश को छत से धक्का दे दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का यह भी आरोप है पुलिस ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बर्बरता की और घटना के 9 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। जब परिवार ने न्याय की मांग की, तो उल्टा उन्हें ही प्रताड़ित किया गया। इससे दलित समुदाय और विभिन्न सामाजिक संगठनों में भारी आक्रोश है। हिसार के सिविल अस्पताल के बाहर पिछले कई दिनों से धरना-प्रदर्शन जारी है। परिजनों ने गणेश के शव को लेने से इनकार कर दिया है और पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए और निष्पक्ष जांच हो। भिवानी, सहारनपुर, मुरादाबाद, और कोकचा जैसे शहरों में भी वाल्मीकि समुदाय और अन्य संगठनों ने ज्ञापन सौंपे और धरने आयोजित किए। कई संगठनों ने मांग की है कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए, मामले की सीबीआई जांच हो, और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी दी जाए।

स्पेन में मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने निवेश संवाद में बताई मध्यप्रदेश की खूबियां

डॉ. यादव ने किया वैश्विक कपड़ा एवं फैशन क्षेत्र के दिग्गजों से निवेश संवाद

हरित, लागत-प्रतिस्पर्धी और ट्रेसिबल उत्पादन हब के रूप में उभर रहा देश का हृदय प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के दूसरे दिन का फोकस वैश्विक कपड़ा एवं फैशन क्षेत्र के दिग्गजों से निवेश संवाद का रहा। स्पेन के गैलिसिया स्थित इंडिटेक्स मुख्यालय में हुई बैठक में डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को 'हरित, लागत-प्रतिस्पर्धी और ट्रेसिबल उत्पादन हब' के रूप में प्रस्तुत किया। इंडीटेक्स समूह के वरिष्ठ अधिकारियों संग व्यापारिक साझेदारी और निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

स्पेन यात्रा के दूसरे दिन गैलिसिया स्थित इंडिटेक्स मुख्यालय में हुई बैठक

डॉ. यादव ने कहा, टैक्सटाइल क्षेत्र में वैश्विक साझेदारियों के लिए प्रतिबद्ध

इंडीटेक्स को साझेदारी का आमंत्रण

डॉ. यादव ने इंडिटेक्स को आमंत्रण दिया कि वे पीएम मित्रा पार्क में सप्लाई चेन एंकर के रूप में भागीदार बनें। उन्होंने एक ऑर्गेनिक कॉटन ट्रेसिंग प्लेटफॉर्म और ईएसजी रेटिंफाइड एमएसएमई के साथ वेंडर डेवेलपमेंट प्रोग्राम प्रारंभ करने का सुझाव भी दिया। डॉ.यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश भारत का अग्रणी ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादक है।

गारमेंट यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि धार जिले में भारत सरकार की पीएम मित्रा योजना के अंतर्गत विकसित हो रहा टेक्सटाइल मेगा पार्क इंडिटेक्स जैसे वैश्विक ब्रांडों के लिए सस्टेनेबल और इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग का आदर्श केंद्र बन सकता है। उन्होंने इस पार्क में गारमेंटिंग यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश के शीर्ष कच्चा कपास उत्पादक राज्यों में से एक है, जहां सालाना लगभग 18 लाख बेल्स (3 लाख मीट्रिक टन) का उत्पादन होता है। राज्य में 15 से अधिक टेक्सटाइल क्लस्टर हैं इसमें इंदौर, मंदसौर, बुरहानपुर, उज्जैन, नीमच जैसे केंद्र टेक्सटाइलउत्पादन में अग्रणी हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

जेएनयू में दलित चेतना की आवाज: प्रोफेसर नंदू राम की संघर्षगाथा

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में जब प्रोफेसर नंदू राम ने कदम रखा, तब यह सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे दलित समाज की आवाज का विश्वविद्यालय में प्रवेश था। वे जेएनयू में पहले दलित प्रोफेसर बने, जिसने सदियों से दबाए गए समाज के आत्मसम्मान और अधिकारों के संघर्ष में एक नई उम्मीद पैदा की। उनके व्यक्तित्व, चिंतन और लेखन ने न केवल अकादमिक जगत को बल्कि दलित आंदोलन को भी मजबूती दी। प्रोफेसर नंदू राम का जन्म 1947 में उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में हुआ। उन्होंने कठिन सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की, जहां जातिगत भेदभाव उनके जीवन का हिस्सा था। गांव से निकल कर काशी हिंदू विश्वविद्यालय से एमए और फिर पीएचडी की डिग्री प्राप्त करना उनके संघर्ष और मेहनत की कहानी कहता है। उन्होंने हमेशा कहा कि शिक्षा ही दलित समाज की असली ताकत है और इस ताकत को हासिल करने के लिए संघर्ष जरूरी है। 1980 में जेएनयू में समाजशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त होकर नंदू राम ने इतिहास रचा। यह नियुक्ति उस दौर में हुई जब उच्च शिक्षा संस्थानों में दलित उपस्थिति लगभग न के बराबर थी। उन्होंने दलितों के सामाजिक मुद्दों को अकादमिक विमर्श का हिस्सा बनाया, जो उस समय तक हाशिए पर थे। उन्होंने भारतीय समाज में जाति व्यवस्था और सामाजिक न्याय पर गहन शोध किया और इसे अपने छात्रों के बीच चर्चा का विषय बनाया। उनकी कक्षाएं उन छात्रों के लिए उम्मीद का केंद्र बन गईं जो सामाजिक न्याय और बराबरी के सपनों को लेकर जेएनयू पहुंचे थे। प्रोफेसर नंदू राम ने शोधपत्र, पुस्तकें और लेखन के माध्यम से जाति उत्पीड़न और सामाजिक न्याय पर विमर्श को मजबूत किया। प्रोफेसर नंदू राम ने बाबा साहब डॉ. आंबेडकर के विचारों को विश्वविद्यालय और समाज में फैलाने का कार्य किया। उन्होंने दलित चेतना को अकादमिक विमर्श से जोड़ने का प्रयास किया, जिससे छात्र केवल डिग्री के लिए शिक्षा न लें बल्कि समाज के बदलाव के लिए तैयार हों। उन्होंने अपनी पुस्तक 'डालित आइडेंटिटी इन इंडिया' सहित कई किताबें लिखीं, जिसमें उन्होंने दलित अस्मिता, जाति व्यवस्था और सामाजिक समानता पर विस्तार से चर्चा की। वे मानते थे कि जातिवाद केवल सामाजिक बुराई नहीं बल्कि राजनीतिक और आर्थिक उत्पीड़न का भी हिस्सा है, जिसे समाप्त करने के लिए दलितों की शिक्षा, राजनीतिक भागीदारी और आर्थिक आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी है। प्रोफेसर नंदू राम ने हमेशा सत्ता और व्यवस्था से सवाल पूछने की परंपरा को जीवित रखा। उन्होंने विश्वविद्यालयों में ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातिगत भेदभाव और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई। वे सिर्फ कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं रहे, बल्कि जेएनयू में दलित छात्रों के संघर्षों में सक्रियता से शामिल होते रहे। उन्होंने यह स्थापित किया कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान अर्जन का स्थान नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की प्रयोगशाला भी है। उनके विचारों और प्रतिबद्धता ने दलित और वंचित छात्रों को आत्मविश्वास दिया।

डिजिटल जनगणना में पारदर्शिता और जवाबदेही: क्या निजता की दीवार मजबूत रह पाएगी?

-निजता की सुरक्षा बनाम डेटा संग्रह की चुनौती

भारत में जनगणना केवल आंकड़ों की गिनती नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की योजनाओं की बुनियाद होती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ और संसाधनों का न्यायसंगत वितरण जनगणना पर ही निर्भर करता है। परंतु जब यह जनगणना डिजिटल माध्यमों से की जाए, तब पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिकों की निजता की रक्षा पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है। जनगणना का डिजिटल रूपांतरण एक ओर व्यवस्था को आधुनिक और तेज बनाता है, वहीं दूसरी ओर यह नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा, निगरानी के दायरे में विस्तार और संभावित दुरुपयोग के खतरों को भी जन्म देता है। इसलिए यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण है कि डिजिटल जनगणना में पारदर्शिता और जवाबदेही कैसे सुनिश्चित की जाए और निजता की दीवार कितनी मजबूत बनाई जाए?

डिजिटल जनगणना: क्या और क्यों?

डिजिटल जनगणना का अर्थ है, मोबाइल ऐप, ऑनलाइन फॉर्म और डिजिटल डेटा संग्रहण के माध्यम से देश की जनसंख्या का रिकॉर्ड तैयार करना।

भारत में प्रस्तावित डिजिटल जनगणना के अंतर्गत:

घर-घर जाकर मोबाइल टैबलेट से डेटा संग्रह

नागरिक स्वयं ऑनलाइन फॉर्म भर सकेंगे

जीआईएस आधारित नक्शों से घरों की लोकेशन टैगिंग

तत्काल डेटा एनालिटिक्स और ऑटोमैटिक डेटा क्लीनिंग

इन सबका उद्देश्य जनगणना को तेज, सटीक और कागज रहित बनाना है। सरकार के मुताबिक, इससे डेटा में दोहराव कम होगा, तत्काल रिपोर्टिंग संभव होगी, योजनाओं के लिए सटीक आबादी का अनुमान लगाया जा सकेगा और सर्वेक्षण की लागत कम होगी। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि इस डिजिटल प्रक्रिया में नागरिकों का विश्वास बना रहे।

पारदर्शिता की जरूरत क्यों?

जनगणना में पारदर्शिता का अर्थ है: नागरिकों को पता हो कि उनसे क्या-क्या जानकारी ली जा रही है। जानकारी किस उद्देश्य से ली जा रही है। जानकारी को किस तरह संग्रहित और सुरक्षित रखा जाएगा। जानकारी का उपयोग किस तरह और किन विभागों द्वारा किया जाएगा। नागरिकों को अपनी जानकारी में सुधार करने का अधिकार मिलना।

पारदर्शिता नहीं होने पर क्या होगा?

भरोसे में कमी: लोग गलत जानकारी देंगे या जानकारी देने से बचेंगे। गलत नीतियां: गलत या अधूरी जानकारी पर योजनाएं बनेंगी। डेटा का दुरुपयोग: राजनीतिक या कारोबारी हितों के लिए डेटा का गुप्त उपयोग। निगरानी का डर: नागरिकों को लगेगा कि सरकार उनकी गतिविधियों की जासूसी कर रही है। इसलिए पारदर्शिता केवल सरकारी जवाबदेही नहीं, बल्कि जनगणना की सफलता की अनिवार्य शर्त है।

जवाबदेही का अर्थ और महत्व

डिजिटल जनगणना में जवाबदेही का अर्थ है:

डेटा चोरी या लीक होने पर जिम्मेदारी तय हो।

गलत जानकारी संग्रह या भेदभावपूर्ण डेटा संग्रहण पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

निजी डेटा के उल्लंघन पर मुआवजा और कानूनी सहारा मिले।

डेटा संग्रह और प्रोसेसिंग में जिम्मेदार एजेंसी पारदर्शी रिपोर्ट दे।

जवाबदेही सुनिश्चित होने से:

सरकार और नागरिकों के बीच भरोसा मजबूत होगा। डेटा की सुरक्षा के लिए बेहतर तकनीकी उपाय किए जाएंगे। अधिकारों का उल्लंघन होने पर नागरिक न्याय की मांग कर सकेंगे। जनगणना की प्रक्रिया निष्पक्ष और प्रभावी रहेगी।

निजता की दीवार: कितनी मजबूत है?

निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के पुट्टस्वामी केस (2017) में निजता को मौलिक अधिकार घोषित किया गया।

डिजिटल जनगणना में निजता की सुरक्षा के तीन आयाम होते हैं:

1 डेटा संग्रहण का दायरा: कितनी निजी जानकारी ली जाएगी?

2 डेटा स्टोरेज और सुरक्षा: डेटा को कैसे सुरक्षित रखा जाएगा?

3 डेटा का उपयोग: जानकारी का किस उद्देश्य के लिए उपयोग होगा?

भारत में अभी तक डेटा प्रोटेक्शन कानून पूरी तरह लागू नहीं है। प्रस्तावित डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट भी कुछ छूटों के साथ आता है, जिससे सरकारी एजेंसियों को डेटा तक पहुंचने का अधिकार है। इससे नागरिकों की निजता की दीवार कमजोर पड़ सकती है।

निजता से जुड़े संभावित खतरे

1 डेटा लीक का खतरा: डिजिटल डेटा साइबर अटैक का शिकार हो सकता है।

2 निगरानी और ट्रैकिंग: स्थान और परिवार की जानकारी का दुरुपयोग कर नागरिकों की निगरानी संभव।

3 पॉलिटिकल माइक्रो-टार्गेटिंग: जाति, धर्म, आयु और लोकेशन आधारित पॉलिटिकल प्रचार।

4 प्रोफाइलिंग और भेदभाव: डेटा एनालिसिस से कुछ समुदायों को योजनाओं से बाहर रखने की संभावना।

5 भरोसे का संकट: नागरिकों में यह डर कि उनकी निजी जानकारी असुरक्षित है।

वैश्विक उदाहरण और सीख

एस्टोनिया में ई-गवर्नेंस और डिजिटल आईडी का सफल मॉडल पारदर्शिता और सख्त डेटा सुरक्षा के कारण ही सफल हुआ। वहां नागरिक अपने डेटा तक पहुंच देख सकते हैं कि किसने उसका डेटा देखा। अमेरिका की जनगणना में भी डेटा एनोनीमाइजेशन (नाम हटाकर डेटा प्रोसेसिंग) का इस्तेमाल होता है। चीन में निगरानी और डेटा के दुरुपयोग को लेकर कई विवाद हुए, जिससे नागरिक स्वतंत्रता प्रभावित हुई। भारत को इन अनुभवों से सीखते हुए डेटा मिनिमाइजेशन, पारदर्शिता और सख्त सुरक्षा की नीति अपनानी चाहिए।

डिजिटल जनगणना में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उपाय

डेटा मिनिमाइजेशन: केवल वही डेटा लिया जाए जो नीतियों के लिए जरूरी हो। अनावश्यक व्यक्तिगत जानकारी न ली जाए। डेटा के उद्देश्य को स्पष्ट करना: नागरिकों को यह स्पष्ट रूप से बताया जाए कि उनकी जानकारी किस उद्देश्य से ली जा रही है और किसके साथ साझा की जाएगी। ओपन डेटा पॉलिसी: जनसंख्या संबंधी गैर-व्यक्तिगत डेटा को सार्वजनिक किया जाए, लेकिन व्यक्तिगत जानकारी गुप्त रखी जाए। एन्क्रिप्शन और सुरक्षा: डेटा को मजबूत एन्क्रिप्शन के साथ सुरक्षित सर्वरों में संग्रहित किया जाए। डेटा प्रोटेक्शन कानून लागू करना: डिजिटल जनगणना से पहले मजबूत डेटा प्रोटेक्शन कानून लागू किया जाए जिसमें सरकारी एजेंसियों की जिम्मेदारी तय हो। डेटा एक्सेस ट्रांसपेरेंसी: नागरिक जान सकें कि उनका डेटा किसने देखा या इस्तेमाल किया। स्वैच्छिक सुधार का अवसर: नागरिक अपनी जानकारी में गलती पाए जाने पर सुधार कर सकें। स्वतंत्र निगरानी एजेंसी: डिजिटल जनगणना की प्रक्रिया पर निगरानी के लिए स्वतंत्र एजेंसी की स्थापना।

सामाजिक और मनोवैज्ञानिक आयाम

जनगणना में निजता का सवाल सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी है। यदि नागरिकों को लगे कि सरकार उनके जीवन में अतिक्रमण कर रही है, तो वे डर और असुरक्षा महसूस करेंगे। जाति, धर्म, आय, परिवारिक संरचना, लोकेशन जैसी जानकारियां संवेदनशील होती हैं, जिनका दुरुपयोग सामाजिक तनाव और भेदभाव पैदा कर सकता है। डिजिटल जनगणना में अगर पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं रही, तो जनसंख्या गिनती का उद्देश्य और सार खत्म हो जाएगा।

मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका

मीडिया और सिविल सोसायटी को चाहिए कि: पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल पूछें। नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें। डिजिटल जनगणना के दौरान किसी उल्लंघन या गड़बड़ी की निगरानी करें। निजता और डेटा सुरक्षा पर जागरूकता अभियान चलाएँ।

भारत जैसे लोकतांत्रिक और विशाल देश में डिजिटल जनगणना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य की योजनाओं और विकास का आधार बनेगा। लेकिन पारदर्शिता और जवाबदेही को सुनिश्चित किए बिना डिजिटल जनगणना, निजता के उल्लंघन और अविश्वास का कारण बन सकती है। के माध्यम से ही डिजिटल जनगणना में निजता की दीवार मजबूत रह सकती है। डिजिटल जनगणना को केवल तकनीकी परियोजना मानने की गलती न हो। यह लोकतंत्र, नागरिक अधिकार और सामाजिक विश्वास का परीक्षण भी है। अगर भारत इसे पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू कर सका, तो यह विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम होगा। अन्यथा यह निजता के अधिकार और सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा सकती है।

पर्यावरण: आने वाला दौर हाइड्रोजन वाहनों का, सिर्फ वाहन नहीं, सोच में भी बदलाव लाना होगा

-ग्रीन हाइड्रोजन से ऊर्जा स्वतंत्रता और स्वच्छ भारत का सपना

जलवायु परिवर्तन आज कोई दूर का संकट नहीं, बल्कि हमारे रोज़मर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है। बढ़ता प्रदूषण, तापमान में वृद्धि, अप्रत्याशित बारिश और सूखे, बाढ़ और चक्रवात – ये सब हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हमने समय रहते अपने परिवहन और ऊर्जा की खपत के तरीकों में बदलाव नहीं किया, तो स्थिति काबू से बाहर हो जाएगी। इस बदलते परिदृश्य में हाइड्रोजन वाहन सिर्फ तकनीक का नाम नहीं, बल्कि हमारी सोच, नीति और भविष्य की दिशा में व्यापक बदलाव का संकेत है।

क्यों ज़रूरी है ईंधन की सोच बदलना

भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देशों में पेट्रोल और डीज़ल जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता ने पर्यावरण में कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे प्रदूषकों की मात्रा बढ़ाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वायु प्रदूषण से हर साल लाखों लोगों की अकाल मृत्यु होती है। भारत की राजधानी दिल्ली और अन्य शहर वायु प्रदूषण के कारण कई बार गैस चैंबर में बदल जाते हैं। इस संकट से निपटने के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहनों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। हमें ईंधन की वैकल्पिक तकनीकों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा, और हाइड्रोजन आधारित परिवहन इसका एक सशक्त विकल्प बनकर उभर रहा है।

हाइड्रोजन वाहन क्या होते हैं?

हाइड्रोजन वाहन, फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी पर आधारित होते हैं, जो हाइड्रोजन गैस और ऑक्सीजन के रासायनिक संयोग से बिजली उत्पन्न कर मोटर को चलाते हैं। इस प्रक्रिया का उप-उत्पाद केवल पानी और गर्मी होती है, जिससे वायु प्रदूषण नहीं होता। हाइड्रोजन को हाई-प्रेशर टैंकों में स्टोर कर वाहनों में इस्तेमाल किया जाता है, और इन्हें रिफ्यूल करना बहुत आसान और जल्दी होता है। आम तौर पर हाइड्रोजन वाहनों को भरने में 3-5 मिनट का समय लगता है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने में अधिक समय लगता है।

हाइड्रोजन वाहनों के फायदे

शून्य उत्सर्जन: ये वाहन वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी गैसें नहीं छोड़ते।

तेज़ रिफ्यूलिंग: कुछ ही मिनटों में फ्यूल टैंक भरकर वाहन लंबी दूरी के लिए तैयार हो जाता है।

ऊर्जा सुरक्षा: हाइड्रोजन उत्पादन में स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है, जिससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घट सकती है।

ऊर्जा का भंडारण: नवीनीकृत ऊर्जा जैसे सौर और पवन ऊर्जा से हाइड्रोजन बनाया जा सकता है, जो ऊर्जा भंडारण का भी एक साधन बनता है।

दीर्घकालिक समाधान: हाइड्रोजन आधारित अर्थव्यवस्था, कार्बन मुक्त दुनिया की ओर कदम है।

क्या चुनौतियाँ हैं?

इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी: भारत में अभी हाइड्रोजन फ्यूल स्टेशन बहुत सीमित हैं। इनके निर्माण में निवेश और नीति सहयोग की ज़रूरत है।

लागत: अभी हाइड्रोजन वाहनों की कीमतें अधिक हैं, जो आम उपयोगकर्ता के लिए चुनौती बन सकती है। हाइड्रोजन उत्पादन: यदि हाइड्रोजन उत्पादन जीवाश्म ईंधन आधारित तरीकों से किया गया, तो इसका फायदा सीमित रहेगा। ग्रीन हाइड्रोजन (जो नवीनीकृत ऊर्जा से बनाया जाए) की दिशा में काम करना अनिवार्य होगा। तकनीकी जागरूकता: आम जनता में इस तकनीक के उपयोग, सुरक्षा और महत्व की जानकारी सीमित है।

भारत में हाइड्रोजन वाहन: पहल और संभावना

भारत सरकार ने हाल ही में 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य भारत को हाइड्रोजन उत्पादन और उपयोग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। देश में ग्रीन हाइड्रोजन

उत्पादन की लागत कम करने और हाइड्रोजन फ्यूल स्टेशन के निर्माण की दिशा में नीति तैयार की जा रही है। कुछ वाहन निर्माता कंपनियों ने हाइड्रोजन बसों और ट्रकों का परीक्षण शुरू कर दिया है। रेलवे में भी हाइड्रोजन इंजन के उपयोग की संभावनाओं पर अध्ययन हो रहा है। साथ ही, भारत के कई औद्योगिक क्षेत्रों में हाइड्रोजन का उपयोग करना कार्बन उत्सर्जन को कम करने का सशक्त माध्यम बन सकता है।

सिर्फ तकनीक नहीं, सोच में बदलाव ज़रूरी

हाइड्रोजन वाहन तकनीक हमारे लिए पर्यावरणीय लाभ, ऊर्जा सुरक्षा और स्थिर विकास का अवसर प्रस्तुत करती है। लेकिन इसके सफल क्रियान्वयन के लिए तकनीकी नवाचार के साथ-साथ समाज और नीति में व्यापक बदलाव ज़रूरी है। नीति समर्थन: सरकार को सब्सिडी, टैक्स छूट और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में निवेश बढ़ाना होगा।

जन-जागरूकता: स्कूल-कॉलेज स्तर से ही ऊर्जा संरक्षण और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर शिक्षण को बढ़ावा देना होगा।

स्वदेशी तकनीक विकास: भारत में हाइड्रोजन उत्पादन, स्टोरेज और वितरण तकनीक में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करना होगा।

उद्योग और सरकार में साझेदारी: हाइड्रोजन आधारित तकनीक के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल लागू करना होगा।

हाइड्रोजन वाहन बनाम इलेक्ट्रिक वाहन: तुलना और सहअस्तित्व

कई लोग हाइड्रोजन वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों का विकल्प मानते हैं, जबकि सही दृष्टिकोण यह होगा कि दोनों का सहअस्तित्व आवश्यक है। छोटे शहरों और शहरी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहन अच्छे विकल्प हैं, जबकि लंबी दूरी और भारी परिवहन के लिए हाइड्रोजन वाहन अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं।

इसलिए, हमें यह समझने की आवश्यकता है कि आने वाला दौर सिर्फ हाइड्रोजन या इलेक्ट्रिक वाहनों का नहीं, बल्कि हरित तकनीकों के मिश्रण का होगा, जिसमें जरूरत के अनुसार उपयुक्त तकनीक का चयन किया जाएगा।

वैश्विक अनुभव से क्या सीख सकते हैं?

जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी जैसे देशों ने हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। जापान ने 2030 तक हाइड्रोजन वाहनों की संख्या में लाखों तक का लक्ष्य तय किया है और फ्यूल स्टेशन का जाल बिछाने पर काम कर रहा है। यूरोप में भी हाइड्रोजन बसों और ट्रकों का उपयोग बढ़ रहा है। भारत इन देशों के अनुभवों से सीखते हुए, अपनी स्थानीय जरूरतों और संसाधनों के हिसाब से हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था को विकसित कर सकता है। हमारे सामने जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से निपटने की चुनौती जितनी गंभीर है।

बेगम हजरत महल: आज़ादी की लड़ाई में तलवार उठाने वाली वीरांगना

-1857 की क्रांति में महिला नेतृत्व की मिसाल

आजादी की लड़ाई में मुस्लिम महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इनमें से सबसे बड़ा नाम था बेगम हजरत महल का। उनका असली नाम मुहम्मदी खानम था। बेगम हजरत महल का जन्म 1820 में अवध रियासत के फैज़ाबाद में हुआ था। वो अवध के नवाब वाजिद अली शाह की पत्नी थीं, जिन्हें अंग्रेजों ने बंगाल निर्वासित कर दिया था। पति के निर्वासन के बाद बेगम हजरत महल ने अवध की बागडोर संभाली और 1857 की क्रांति में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लखनऊ पर कब्जा कर करीब 10 महीने तक शासन किया, इस दौरान उन्होंने कई ब्रिटिश अधिकारियों को कैद भी कर लिया था। उनमें संगठन और संघर्ष की अभूतपूर्व क्षमता थी, आलमबाग की लड़ाई में उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत का डटकर मुकाबला किया लेकिन हार के बाद वो नेपाल में राजनीतिक शरण में चली गईं और 7 अप्रैल, 1879 को काठमांडू में उनकी मौत हो गई। उनके योगदान को याद करते हुए 15 अगस्त 1962 में लखनऊ हज़रतगंज के विक्टोरिया पार्क का नाम बदलकर उनके नाम पर रखा गया था। "ताज और तख़्त छिन जाए, कोई ग़म नहीं, अगर कौम की इज़्ज़त और आज़ादी सलामत रहे।" लखनऊ की गलियों में यह आवाज़ गूंज रही थी जब अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ एक नारी ने तलवार उठाई थी। वह थी बेगम हजरत महल, अवध की रानी, जिसने 1857 की क्रांति में सिर्फ लड़ाई ही नहीं लड़ी, बल्कि हिन्दस्तान की आज़ादी के ख्वाब को हकीकत बनाने के लिए हर कुर्बानी दी। बेगम हजरत महल का नाम हमारे इतिहास में बहादुरी, नेतृत्व और राष्ट्रीयता की पहचान बन चुका है, मगर आज़ादी के इतने साल बाद भी उनके योगदान को वह मुकाम नहीं मिल सका, जिसके वह हक़दार थीं। उनके संघर्ष की दास्तान हमें बताती है कि आज़ादी की लड़ाई सिर्फ मर्दों ने नहीं, बल्कि हमारी बहनों, बेटियों और माओं ने भी पूरे हौसले के साथ लड़ी थी।

नवाब की बेगम से मुहिम की सरग़ना बनने तक

हजरत महल का असली नाम मुहम्मदी ख़ानम था। उनका जन्म 1820 के आसपास फैज़ाबाद में हुआ। वह शुरुआत में एक साधारण जीवन में थीं, मगर किस्मत ने उन्हें अवध के नवाब वाजिद अली शाह की बेगम बना दिया। उनका नाम 'हजरत महल' तब पड़ा जब उन्हें 'हजरत' उपाधि दी गई और महल में स्थान मिला। 1856 में जब अंग्रेज़ों ने अवध को हड़प लिया, नवाब वाजिद अली शाह को कलकत्ता भेज दिया गया। उस समय बेगम हजरत महल ने अपने छोटे बेटे बिरजिस क़द्र को गद्दी पर बैठाया और खुद शासन की बागडोर संभाली। उस समय लखनऊ में जनता के दिलों में अंग्रेज़ों के प्रति आक्रोश था, मगर नेतृत्व की कमी थी। बेगम ने इस कमी को पूरा किया और अंग्रेज़ी ताकतों को खुली चुनौती दी।

1857 की क्रांति में हजरत महल का नेतृत्व

1857 की पहली जंग-ए-आज़ादी में बेगम हजरत महल ने लखनऊ को अंग्रेज़ों से मुक्त करने के लिए जनानियों और सिपाहियों के साथ मिलकर मजबूत मोर्चा बनाया। उनके नेतृत्व में अवध के किसानों, तालुक़ेदारों और आम लोगों ने हथियार उठाए। उन्होंने लखनऊ में अंग्रेज़ों की सभी प्रशासनिक व्यवस्थाओं को उखाड़ फेंका। उनकी रणनीति बेहद साफ थी – "अंग्रेज़ों को हिन्दस्तान से निकाल बाहर करना है।" उन्होंने महिलाओं को भी इस संघर्ष में आगे लाकर एक नई मिसाल कायम की। कहा जाता है कि बेगम खुद घोड़े पर सवार होकर लड़ाई के मैदान में जाया करती थीं और सैनिकों का हौसला बढ़ाती थीं।

लखनऊ की गली-गली में जंग

बेगम हजरत महल के नेतृत्व में लखनऊ के सिपाहियों ने अंग्रेज़ों की छावनी पर हमले किए। छतर मंज़िल, दिलकुशा महल और मक्खी भवन जैसी जगहों पर अंग्रेज़ों और बेगम की फौज के बीच घमासान लड़ाई हुई। उन्होंने मौलवी अहमदुल्लाह शाह,

नाना साहेब और तांत्या टोपे जैसे सेनानायकों के साथ तालमेल बनाकर लड़ाई को आगे बढ़ाया। उनकी सेनाओं ने लखनऊ में अंग्रेज़ों को लंबा घेर कर रखा। कई महीनों तक अंग्रेज़ लखनऊ में अपनी ताकत को फिर से स्थापित नहीं कर पाए। जब अंग्रेज़ों ने किलेबंदी कर घेरा डाला, तब भी बेगम ने हार नहीं मानी और छिपकर लड़ाई की योजना बनाती रहीं।

महिलाओं के नेतृत्व की मिसाल

1857 की क्रांति में बेगम हजरत महल का नेतृत्व उस समय और भी बड़ा प्रतीक बन जाता है जब महिलाएं पर्दे में रहने की मजबूरी में थीं। मगर बेगम ने पर्दा छोड़कर तलवार उठा ली। वह अपने बेटे की हिफ़ाज़त के लिए नहीं, बल्कि अपनी कौम की इज़्ज़त और देश की आज़ादी के लिए मैदान में उतरी थीं। उनका ये कदम भारतीय समाज में महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गया कि वह भी किसी भी संघर्ष में नेतृत्व कर सकती हैं। उनका यह योगदान भारतीय महिलाओं के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाना चाहिए।

धोखे और मजबूरी का दौर

लम्बी लड़ाई के बाद, अंग्रेज़ों ने लखनऊ पर दोबारा कब्जा कर लिया। बेगम हजरत महल को लखनऊ छोड़ना पड़ा। उन्होंने नेपाल की तरफ रुख किया, जहाँ उन्होंने शरण ली। नेपाल में रहते हुए भी उन्होंने अंग्रेज़ों के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया। अंग्रेज़ों ने कई बार उन्हें समझौते का प्रस्ताव दिया, मगर उन्होंने हर बार इसे ठुकरा दिया। उन्होंने कहा था: "जो अपने वतन से गद्दारी करे, वह ज़िंदा लाश बन जाता है। मैं गद्दारी नहीं कर सकती।" उनकी यह बात हमें बताती है कि उन्होंने अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर देश और कौम की खातिर हर तकलीफ़ सह ली।

अंतिम समय और गुमनाम मौत

1879 में बेगम हजरत महल का निधन नेपाल में हुआ। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी ज़िंदगी के आखिरी वक्त तक अपने मुल्क वापसी की दुआ की, मगर अंग्रेज़ों के डर से नेपाल सरकार ने भी उन्हें वहां से हटाने की कोशिश की। उनकी मौत गुमनामी में हुई, न कोई ताजपोशी रही, न कोई शाही जनाज़ा। मगर उनकी कब्र आज भी काठमांडू में है, जो हमें उनकी कुर्बानी की याद दिलाती है।

बेगम हजरत महल की विरासत

आज जब हम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को याद करते हैं, तो बेगम हजरत महल का नाम बहुत कम लिया जाता है। मगर सच यह है कि उन्होंने हिन्दस्तान के पहले संगठित विद्रोह में नेतृत्व कर एक ऐसी क्रांति की नींव रखी, जिसने आगे चलकर स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी। लखनऊ का बेगम हजरत महल पार्क, उनकी याद में बना है, जो उनके संघर्ष की निशानी है। उनके नाम पर डाक टिकट भी जारी किया गया। मगर ये छोटे कदम उनके बलिदान के सामने बहुत छोटे हैं। हमें उनके साहस, रणनीति और नेतृत्व से सीख लेकर वर्तमान समय में भी अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

आजादी के 78 साल बाद भी भारत में सामाजिक और राजनीतिक न्याय की लड़ाई पूरी नहीं हुई है।

भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 213वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न प्रकरणों पर विचार-विमर्श कर भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। बैठक नवीन वैलहैम एज्यूकेशन सोसायटी केा ग्राम बीड़ सरकारी के ख नं. 203 में गैर मुमकिन आबादी में भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। निजी खातेदारी की आवासीय योजना नारायण सागर 'एबीसी' में सुविधा क्षेत्र हेतु आरक्षित भूखण्ड पर प्रस्तावित पुलिस थाना, नारायण विहार, जयपुर दक्षिण के प्रशासनिक एवं आवासीय भवनों हेतु भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। पावर ग्रीड कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0 की स्थापना हेतु जविप्रा की रिंग रोड परियोजना ग्राम सिरोली तहसील सांगानेर में भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो की स्थापना हेतु जविप्रा की योजना ग्राम रामचन्द्रपुरा तहसील सांगानेर में भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। जेडीए द्वारा 5 मैडल धारक (औलम्पिक्स/पैरा औलम्पिक्स में पदक, एशियाड/ कौमनवेल्थ में पदक), राष्ट्रपति अवार्डी व स्वतंत्रता सेनानी को राजस्थान अरबन डिस्पोजल रूल्स 1974 के नियम-17-ए के तहत जविप्रा की गोविन्द विहार आवासीय योजना में उपलब्ध आवासीय भूखण्डों में से लॉटरी के माध्यम से एक-एक भूखण्ड आवंटित करने का निर्णय लिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रेनवाल मांझी को जविप्रा की अनुमोदित योजना रोहिणी नगर-प्रथम के सुविधा क्षेत्र की भूमि निःशुल्क आवंटन हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। ग्राम जयसिंहपुरा बास भांकरोटा, तहसील सांगानेर, जिला-जयपुर में पुलिस चौकी जयसिंहपुरा तहत पुलिस थाना भांकरोटा, जयपुर (पश्चिम) हेतु भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। राईजिंग राजस्थान के तहत प्रेम काग्रो मुवर्स को ड्राईविंग टे°निंग सेन्टर एण्ड लोजेस्टिक कन्ट्रोल रूम के लिए भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। नव क्रमोन्नत पुलिस थाना खोराबीसल, जयपुर पश्चिम के प्रशासनिक भवन एवं आवासीय भवनों हेतु भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया। नवीन पुलिस चौकी, बेगस तहत पुलिस थाना-बगरू जयपुर में प्रशासनिक भवन निर्माण करने हेतु भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया। बैठक में नेशनल फोरेंसिक साईन्स यूनिवर्सिटी कैम्पस को नेशनल फोरेंसिक कैम्पस, जयपुर राजस्थान हेतु राजस्व ग्राम दौलतपुरा, तहसील आमेर में भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया।

राज्यपाल बागडे ने विश्वविद्यालयों के नेक एक्रीडेशन और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता से सम्बन्धित विशेष समीक्षा बैठक

-पाठ्यपुस्तकों के अलावा भी दूसरे विषयों का सम सामयिक ज्ञान विद्यार्थियों को मिले

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि उच्च शिक्षण संस्थाओं में नामांकन और परीक्षा ही एक मात्र ध्येय नहीं होना चाहिए। वहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निरंतर कार्य हो, इसके प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में यह किया गया है कि जिस कॉलेज में सुविधा नहीं, अच्छे शिक्षक रखने की क्षमता नहीं है तो उसे बंद किया जाता है। यही व्यवस्था सभी स्थानों पर होनी चाहिए। उन्होंने एक वर्ष पहले राज्य में सभी विश्वविद्यालयों के नेक एक्रीडेशन के लिए हुई पहल की चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय को सफलता मिली हैं। प्रयास करें जल्द दूसरे विश्वविद्यालय भी इस सम्बन्ध में निर्धारित औपचारिकताएं पूरी कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पाठयपुस्तकों के अलावा भी दूसरे विषयों का सम—सामयिक ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाए। इसी से शिक्षा युगानुकुल हो सकेगी। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों की बौद्धिक और शारीरिक क्षमता में वृद्धि के लिए विद्यार्थियों को कॉपी करके पास होने की प्रवृति की बजाय शिक्षकों द्वारा परिवेश की समझ, भारतीय प्राचीन ज्ञान की समृद्ध दृष्टि और आधुनिक विकास से जुड़े समय संदर्भों की जानकारी से समृद्ध किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल बागडे गुरुवार को राजभवन में विश्वविद्यालयों के नेक एक्रीडेशन और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता से सम्बन्धित विशेष समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नए उच्च शिक्षण संस्थान की शिक्षा विभाग अनुमति दें तो यह देखें कि वहां पढ़ाने की अच्छी व्यवस्था, विद्यार्थियों के लिए बेसिक सुविधाएं हों। संस्थान अच्छे प्रोफेसर रखने की क्षमता रखता है भी या नहीं, इसे विशेष रूप से सुनिश्चित किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि किसी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी राष्ट्र उत्पादक होते हैं। इसलिए उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विद्यार्थी शिक्षण संस्थान का एक तरह से प्रोडक्ट होता है। वह अच्छा नहीं है तो पदवी देने वाले संस्थान की खामी हैं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा की क्वालिटी खराब होने से देश का नुकसान होगा। विद्यार्थी देश की प्रगति का साधन है। उन्होंने इंजीनियरिंग और कृषि शिक्षा के अंतर्गत हुनरमंद लोगों को तैयार किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सारी शिक्षा एक छत के नीचे आए। विश्व के शीर्ष शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापकों के व्याख्यान विश्वविद्यालयों में हों ताकि विद्यार्थी स्वतंत्र चिंतन से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे ने कहा था कि देश जब स्वतंत्र हुआ उसी दिन शिक्षा नीति बदलनी चाहिए थी। ब्रिटिश सरकार में लागू शिक्षा नीति उनके खुद के अनुकूल थी। वह हमारी नहीं है। वहीं चलतीं रही। अब नई शिक्षा नीति बनी है जो पूरी तरह से भारतीय है। उन्होंने कहा कि प्राचीन और नवीन ज्ञान के आलोक में राज्य में शिक्षा क्षेत्र में विकास के लिए प्रभावी कार्य किया जाए।

बाजोर में स्वरोजगार सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

-सिहोटिया परिवार ने किया सहयोग

जाफ़र लोहानी

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। सीकर के ग्राम पंचायत बाजोर में आज सेवार्थ फाउंडेशन द्वारा स्वरोजगार सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ हुआ जिस में 1 सितंबर तक महिलाओं को सिलाई सिखाई जाएगी। संस्था की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रीति सिहोटिया ने बताया कि संस्था 2022 से लगातार स्वरोजगार पे कार्य कर रही है जिसका उद्देश्य ही महिलाओं को रोजगार से जोड़ना है इसी कड़ी में आज बाजोर में स्वरोजगार सिलाई प्रशिक्षण शिविर खोला गया है इस शिविर का संचालन स्नेहलता कुमावत द्वारा किया जाएगा। इस में अभी दो सिलाई मशीन दी गई है जो समापन पे जरूरतमंद महिलाओं में दे दी जाएगी। समाजसेवी आनंद सिहोटिया लगातार गोशाला मंदिर और इस तरह के सेवा कार्य के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़े होते है उनका कहना हैं कि सेवा कार्य एक ऐसा क्षेत्र है। जहां आप को सुकून और दुआएं मिलती जरूर है हम अपनी आने वाली पीढ़ी को यही देकर जा सकते है जिस से उनको प्रेरणा मिले। ग्राम पंचायत की महिलाओं द्वारा संस्था का आभार व्यक्त किया गया इस में रोहित सिहोटिया भी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। किसी की रुकी हुई पेंशन शुरू हो गई, तो किसी को निःशुल्क इलाज के रूप में मिली संजीवनी, किसी के बेहतर भविष्य के सपने को मिला छात्रवृत्ति का संबल तो किसी को मिला पालनहार योजना का सहारा। कुछ ऐसा ही नजारा था गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार का। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में 123 फरियादियों के परिवाद सुने, जिनमें से 12 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। अन्य प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिला स्तरीय जनसुनवाई में कुल 123 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें प्रमुख रूप से अतिक्रमण हटवाने पेंशन शुरू करवाने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने, पेयजल की सप्लाई सुचारू कराने, पत्थरगढ़ी, कृषि भूमि में आवागमन हेतु रास्ता खुलवाने, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क, आवासीय पट्टा, बनवाने नामांतरण जमीन विवाद सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का संबंधित अधिकारियों को आमजन के प्रति जवाबदेही के साथ समस्याओं का निस्तारण करते हुए राहत देने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन के अभाव अभियोगों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर संवेदनशील हैं। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल ने पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन को नियमित जनसुनवाई के निर्देश दिये हैं। जनसुनवाई में जिला परिषद की अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) देवेन्द्र कुमार जैन, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

विद्युत निगमों की भर्ती में तकनीशियनों के 1947 पदों की वृद्धि

-प्रक्रियाधीन भर्ती में अब कुल 2163 पदों के लिए संशोधित विज्ञप्ति जारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार ने राज्य के तीनों विद्युत वितरण निगमों में तकनीशियन-III (आईटीआई) के 1947 नवीन पदों के सृजन और उन्हें भरने की स्वीकृति प्रदान की है जिसके अनुसरण में राज्य के विद्युत निगमों में तकनीशियन-III (आईटीआई) के 216 पदों की प्रक्रियाधीन भर्ती में उक्त 1947 नये पदों को सम्मिलित करते हुए अब कुल 2163 पदों पर भर्ती हेतु राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा संशोधित विज्ञप्ति जारी की गई है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को रोजगार के और अधिक अवसर प्रदान करने के साथ ही विद्युत निगमों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए तीनों वितरण निगमों में तकनीशियन-III के सीधी भर्ती के पदों में वृद्धि की गई है। वर्तमान में 216 पदों पर प्रक्रियाधीन भर्ती प्रक्रिया में ही उक्त नव सृजित 1947 पदों को भी सम्मिलित किया गया है जिससे कुल रिक्तियों की संख्या दस गुणा बढ़ कर अब 2163 हो गई है। इसमें जयपुर डिस्कॉम की रिक्तियाँ 66 से बढ़ कर 603 हो गयी हैं। इसके साथ ही अब अजमेर डिस्कॉम में 498 एवं जोधपुर डिस्कॉम में 912 पदों पर भी भर्तियाँ की जावेगी जबकि पूर्व में इन दो डिस्कॉम की कोई भी रिक्ति विज्ञापित नहीं की गयी थी। उत्पादन निगम में पूर्व की भाँति 150 पदों पर भर्तियाँ की जावेगी। हीरालाल नागर ने बताया कि विद्युत निगमों में तकनीशियन-III (आईटीआई) के इन कुल 2163 पदों पर सीधी भर्ती हेतु संशोधित विज्ञप्ति जारी कर, इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाईन माध्यम से आवेदन भरने की प्रक्रिया अगस्त 2025 में प्रारम्भ की जायेगी। टी.एस.पी. क्षेत्र के अभ्यर्थियों के साथ ही आरक्षित एवं अनारक्षित वर्ग के ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पूर्व में आवेदन नहीं किया था अथवा फीस जमा नहीं कराई थी, वे भी अब इस अवसर का लाभ उठाकर नया आवेदन कर सकेंगे। तथापि ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पूर्व में सफलतापूर्वक आवेदन कर दिया था, को पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन उनको निगमों की वरीयता में परिवर्तन का विकल्प दिया जायेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि विद्युत निगमों में 487 पदों पर शुरू की गई भर्ती प्रक्रिया में, अभियंता संवर्ग के 271 पदों की भर्ती प्रक्रिया में आवेदन प्राप्त होने के पश्चात् मात्र 3 माह के अल्प समय में ही ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं के सफलतापूर्वक आयोजन के बाद परीक्षा परिणाम की घोषणा कर दस्तावेजों के सत्यापन और काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई एवं नियुक्ति आदेश भी जारी किये जा चुके हैं।

बहते पानी में डाल दी सड़क ग्रामीणों का जमकर विरोध प्रदर्शन

जाफर लोहानी

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के लुहार मंडी से शांतिनगर की और जाने वाले आम रास्ते में डाली जा रही सीसी सड़क निर्माण में घटिया सामग्री लगाने ओर बारिश के बहते हुए पानी के ऊपर ही सड़क डालने से नाराज ग्रामीणों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया और मौके पर काम को रुकवाकर सड़क ठीक करवाने की मांग की। बाद में वार्ड पार्षद व नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता मौके पर पहुंचे और ठेकेदार को आवश्यक दिशा निर्देश देकर काम को फिर से शुरू करवाया। जानकारी के अनुसार नगरपालिका क्षेत्र में लोहार मंडी से शांति नगर की ओर जाने वाले रास्ते पर नगरपालिका की ओर से सड़क डालने का कार्य किया जा रहा है। उक्त सड़क निर्माण कार्य के दौरान लापरवाही के चलते ठेकेदार द्वारा बहते पानी के ऊपर ही सड़क डाल दी। इतना ही नहीं सड़क निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी कर बजरी के स्थान पर काली डस्त का उपयोग किया जा रहा था। साथ ही सीमेंट की मात्रा भी सही नहीं डाली जा रही थी। जो पीसीसी डाली जा रही थी उसके ऊपर से पानी बह रहा था। जिससे नाराज ग्रामीणों ने मौके पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का आरोप लगाते हुए मौके पर कार्य बंद करवा दिया। मामले की सूचना पाकर नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता वीरेंद्र यादव, पार्षद मंजू देवी छीपा, कांग्रेस नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन खान पडियार सहित कई लोग मौके पर पहुंचे उन्होंने ठेकेदार द्वारा डाली गई सड़क का मौका मुआयना किया। जहां ग्रामीण कुतबू लुहार, आमीन लोहार, अल्ताफ खान ने पानी के ऊपर ही सड़क डालने की शिकायत की ओर पानी की टूटी लाइन के ऊपर ही मना करने के बाद ही सड़क डालने की शिकायत की। उन्होंने ठेकेदार के द्वारा किए जा रहे कार्य का विरोध किया। जिसके बाद पार्षद मंजू देवी छीपा ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता शिशुपाल सैनी से बात कर पानी की लाइन को ठीक करने की बात कही। जिसके बाद सहायक अभियंता शिशुपाल सैनी ने मौके पर कार्मिक को भेजा। कार्मिक ने मौका स्थिति को देखकर बताया कि शुक्रवार को लकीज पाइपलाइन को ठीक करवा दिया जाएगा।

विधानसभा में आयोजित प्रश्न एवम् संदर्भ की बैठक में शाहपुरा विधायक ने उठाया मुद्दा

-खेजरोली व मनोहरपुर में खोला जाये नवीन महाविद्यालय

जाफ़र लोहानी

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। मंगलवार को राजस्थान विधानसभा के मीटिंग सभागार में आयोजित प्रश्न एवं संदर्भ समिति की महत्वपूर्ण बैठक सभापति संदीप शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें उच्च शिक्षा विभाग से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में शाहपुरा विधायक यादव ने अपने क्षेत्र के उच्च शिक्षा विभाग से जुड़ी प्रमुख समस्याओं एवं आवश्यकताओं को मजबूती से उठाया। विधायक यादव ने मीटिंग में विधानसभा क्षेत्र के खेजरोली व मनोहरपुर में नवीन महाविद्यालय खोलने, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण योजना में ओबीसी वर्ग के लिए पृथक से कैटेगरी सृजित करने, बाबा भगवान दास राजकीय महाविद्यालय में पीजी स्तर पर स्वपोषित योजना अंतर्गत संचालित रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र व गणित को राजकीय मद से संचालित करने, बाबा गंगादास राजकीय कन्या महाविद्यालय शाहपुरा में पीजी स्तर पर भौतिक, जीव, वनस्पति विज्ञान, गणित व अंग्रेज़ी विषय शुरू करने, राजकीय महाविद्यालय राडावास में यूजी स्तर पर विज्ञान संकाय खोलने, पीजी स्तर पर राजनीतिक विज्ञान विषय शुरू करने, बाबा नारायणदास कला महाविद्यालय में पीजी स्तर पर अंग्रेज़ी विषय शुरू करने पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही विधायक यादव ने कहा कि ग्राम चिमनपुरा स्थित उच्च शिक्षा संस्थान की स्थापना बाबा भगवानदास जी की पावन स्मृति में संत श्रीनारायणदास जी महाराज द्वारा अपनी दूरदर्शिता, तप, त्याग एवं शिक्षा के प्रति समर्पण भाव से की गई थी। यह संस्थान दशकों से ग्रामीण अंचल व आसपास के छोटे कस्बों के क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराते हुए उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम रहा है। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्दे श्यों के अनुरूप, कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय को एकीकृत रूप से मूल भवन में संचालित करते हुए इसे पुनः बाबा भगवानदास राजकीय महाविद्यालय के रूप में संगठित किया जाए, जिससे विद्यार्थियों को समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा का समुचित अवसर प्राप्त हो। तथा कृषि संकाय को "भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR) के मानकों के अनुरूप नवीन भवन में एक स्वतंत्र कृषि महाविद्यालय के रूप में पूर्णतः राजकीय मॉडल पर संचालित किया जाए तथा इसका नाम बाबा नारायणदास राजकीय कृषि महाविद्यालय रखा जाए। साथ ही, महाविद्यालय को आवंटित लगभग 80 बीघा कृषि भूमि का उपयोग फार्म हाउस, कृषि विज्ञान केंद्र एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में किया जाए, जिससे न केवल विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो, बल्कि स्थानीय किसानों को भी नवीन कृषि तकनीकी एवं अनुसंधान गतिविधियों का सीधा लाभ मिल सके।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के परिणामों में नगर निगम ग्रेटर जयपुर

-मिला राष्ट्रीय स्तर पर 16वां और राज्य स्तरीय प्रथम स्थान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के बहुप्रतीक्षित परिणाम गुरूवार को घोषित किए गए। इस राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण में देशभर के 40 प्रमुख शहरों में से नगर निगम ग्रेटर जयपुर ने 16वां स्थान प्राप्त कर प्रदेश और जयपुर का गौरव बढ़ाया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक भव्य राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से माननीय नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर सहित नगर निगम ग्रेटर टीम ने सहभागिता की। इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय नगरीय विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर जयपुर की इस उपलब्धि को सम्मानित किया गया। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के जयपुर आगमन पर नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय में स्वागत समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर गणमान्य नागरिक, व्यापारी संघ, विकास समिति, महिला संगठन, जनप्रतिनिधि समिति, पार्षदगण, अधिकारीगण एवं निगम के समर्पित कर्मचारीगण उपस्थित रहे। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर पर फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया एवं राष्ट्रीय सम्मान हेतु बधाई दी। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि यह उपलब्धि केवल मेरी नहीं, बल्कि जयपुरवासियों की सामूहिक जागरूकता, नगर निगम ग्रेटर की टीम और स्वच्छता योद्धाओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। मैं समस्त शहरवासियों, निगम के अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों एवं सभी हितधारकों को इस गौरव के लिए तहे दिल से धन्यवाद व बधाई देती हूँ। यह सफलता हम सभी के लिए प्रेरणा है कि हम आगामी वर्षों में और भी बेहतर प्रदर्शन कर स्वच्छता के क्षेत्र में जयपुर को देश में शीर्ष पर पहुंचाए। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि नगर निगम ग्रेटर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरा छंटाई केन्द्रों का संचालन, नागरिकों में जन-जागरूकता अभियान, सफाई ऐप्स का संचालन, खुले में शौच से मुक्ति (ODF++) एवं स्वच्छता मित्र सुरक्षा एवं सम्मान जैसे अनेक नवाचारों को प्रभावी रूप से लागू किया गया, जिसका प्रतिफल इस सराहनीय रैंकिंग के रूप में मिला है। नगर निगम ग्रेटर भविष्य में भी नागरिक सहभागिता एवं नवाचारों के माध्यम से स्वच्छ, सुन्दर, और सतत् जयपुर के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना' का पोर्टल खुलने से पहले अभ्यर्थी

-जनाधार या डीजी-लॉकर में करें दस्तावेजों का अपडेशन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना' के लिए पोर्टल जल्द खोला जाना है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र, 10वीं—12वीं की अंक तालिकाओं का डेटा व अन्य जानकारियां समय रहते राज ई-वॉल्ट डिजी लॉकर या जनाधार में अपडेट (अद्यतन) करवा लें। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने बताया कि 'मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना' के तहत निःशुल्क कोचिंग करवाए जाने के लिए अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने के लिए पोर्टल शीघ्र खोला जावेगा। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की है कि योजना के लिए सत्र 2024-25 से लागू नवीनतम संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी जनाधार में मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र एवं अन्य वांछित जानकारी तथा राज ई-वॉल्ट डिजी लॉकर में 10वीं एवं 12वीं की अंक तालिकाओं का डाटा समय रहते हुए अपडेट (अद्यतन) एवं आवश्यकतानुसार त्रुटि सुधार सुनिश्चित कर लें। ताकि पोर्टल खुलने पर आवेदन के समय संबंधित दस्तावेजों से संबंधित डेटा, योजना के पोर्टल पर ऑटो-फेच हो सके।

स्मार्ट मीटरों को लेकर फैली भ्रांतियों पर जोधपुर डिस्कॉम का स्पष्टीकरण

-उपभोक्ता हितों की रक्षा और पारदर्शी बिलिंग व्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर डिस्कॉम ने स्मार्ट मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं के बीच फैली भ्रांतियों पर स्पष्ट किया है कि ये मीटर पूरी तरह प्रमाणित, सटीक और पारदर्शी हैं तथा किसी भी प्रकार की तेज रीडिंग या मनमानी बिलिंग की आशंका निराधार है। डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने बताया कि भारत सरकार की संशोधित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य चरणबद्ध रूप से चल रहा है। यह कार्य विद्युत वितरण प्रणाली को अधिक सक्षम, पारदर्शी और उपभोक्ता केंद्रित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

उपभोक्ताओं को मिल रहे हैं स्मार्ट मीटर के ये लाभ—

डॉ. भंवरलाल ने बताया कि स्मार्ट मीटरों की सबसे बड़ी विशेषता है– सटीक बिलिंग, रीयल टाइम खपत की जानकारी, मोबाइल ऐप के माध्यम से बिलिंग व नियंत्रण की सुविधा, और प्रीपेड मीटरों पर प्रति यूनिट 15 पैसे की छूट। उपभोक्ता अब अपने मोबाइल पर बिजली की खपत की निगरानी कर सकते हैं और जरूरत के मुताबिक ऑनलाइन रिचार्ज भी कर सकते हैं। औसत बिल, अनुमानित रीडिंग और गलत बिलिंग की समस्या से अब छुटकारा मिलेगा।

विधान सभा अध्यक्ष ने कोटा विश्वविद्यालय का अवलोकन किया

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को कोटा विश्वविद्यालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने उनका पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। देवनानी ने विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं तथा विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन कर विश्वविद्यालय की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका आज केवल डिग्री तक सीमित नहीं बल्कि नवाचार, रोजगारोन्मुखी शिक्षा और समाज के प्रति उत्तरदायित्वपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। कुलगुरु प्रो. सारस्वत ने बताया कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान, नैतिक मूल्यों तथा तकनीकी समावेशन की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीधरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

विधायक भीमराज जी भाटी के निवास पर शहर में सीवरेज लाइन, नाली निर्माण को लेकर

-उच्च अधिकारियों के साथ अति आवश्यक बैठक आयोजित हुई

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। विधायक भीमराज भाटी के निवास स्थान पर शहर सीवरेज व नाली निर्माण को लेकर एक बैठक आयोजित हुई,इस दौरान बैठक में आर यू आई डी पी के एडिशनल चीफ इंजीनियर संजय माथुर,रूडीप कमिश्नर लक्ष्मण पवार नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज,अधिशाषी अभियंता के पी व्यास सहित अनेक अधिकारी मौजूद थे। पाली विधायक भीमराज जी भाटी ने शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई।

(1) सीवरेज मैन्यूल ओवरफ्लो सीवरेज कनेक्शन से वचित घरों के कनेक्शन जोड़ने।

(2) सीवरेज का पानी सड़को पर फैलने और अधिकांश जगह सीवरेज लाइन पर ढक्कन नहीं होने।

(3) कई जगह पर नई सीवरेज लाइन बिछाने।

(4) अनेक जगह सीवरेज का पानी सड़को पर फैलने।

(5) पाली शहर में प्रत्येक बस्तियों और मोहल्लों में नालियों के नव निर्माण करवाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

इन सभी कार्यों के लिए विधायक भीमराज जी भाटी ने राजस्थान सरकार के मंत्री और मुख्यमंत्री जी भी से बात कर अतिरिक्त बजट दिलवाने का आश्वाशन दिया। और सभी अधिकारियों को शहर में सीवरेज की लाइन पर नए ढक्कन लगवाने और समय पर सफाई करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम के प्रतिपक्ष नेता हकीम भाई पार्षद महबूब टी,तालिब अली,रमेश चावला,ताराचंद चंदानी,अकरम खिलेरी,गोरधन देवासी,गणपत पटेल,रत्न चंदेल,वीरेन्द्रभाटी के साथ सिवरेज अधिकारी ईश्वर सिंह,AEN महेंद्र सिंह राजपुरोहित सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोकसभा अध्यक्ष ने ट्रैक्टर पर बैठकर अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

रामगंजमंडी, (रॉयल पत्रिका)। सुकेत क्षेत्र में भारी बारिश के कारण जलभराव से गंभीर हालात उत्पन्न होने पर गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, तत्काल रेलमार्ग से रामगंजमंडी पहुंचे। उन्होंने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को प्रभावित लोगों को तुरंत राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। जलभराव अधिक होने के कारण बिरला ने ट्रैक्टर पर सवार होकर क्षेत्र का निरीक्षण किया। बिरला ने रामगंजमंडी के मारवाड़ चौराहा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सहित अन्य प्रभावित बस्तियों का दौरा किया और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जलभराव के कारण स्पीकर बिरला ट्रैक्टर से कुदायला और मायला गांव पहुंचे, जहां भी उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और नालों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद बिरला ने पालिका सभागार में अधिकारियों के जिन क्षेत्रों में जलभराव हुआ है, वहां से सबक लिया जाए। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि जलभराव वाली स्थिति की वीडियोग्राफी कर प्रस्ताव तैयार किया जाए, ताकि भविष्य में आबादी वाले क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को रोका जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन जनप्रतिनिधियों के साथ भीतर नुकसान का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। रसोई शुरू, राहत सामग्री का होगा वितरण बिरला के निर्देश पर कुदायला में प्रभावित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए कार्यकर्ताओं की ओर से निःशुल्क रसोई शुरू की गई। साथ ही जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में वितरित किए गए। राहत सामग्री का वितरण भी किया जाएगा। बिरला ने कहा कि स्थानीय कार्यकर्ता और समाजसेवी संस्थाएं यह सुनिश्चित करें कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने आमजन से सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि अतिवृष्टि क्षेत्रों में भी जलस्तर काफी बढ़ गया है। ऐसे में जलभराव वाले स्थानों पर जाने से बचें। यह रहे मौजूद : इस दौरान पालिका चेयरमैन अखिलेख मेड़तवाल, उप जिला प्रमुख कृष्ण गोपाल अहीर, 'भाजपा नेता बाबूलाल मेघवाल, उप प्रधान भगवत सिंह, भगवान नरेन्द्र राजा, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काला, नगर अध्यक्ष शैलेश काला, महामंत्री विशाल जैन, उमेश माहेश्वरी, प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश मेघवाल, पार्षद महेन्द्र सामरिया, कौशल बाफना, कमलेश गोइन, राजकुमार धाकड़, सुधीर सुनेजा, शिवराज मीणा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक में मजीद कमांडो ने की शिरकत

नई दिल्ली, (रॉयल पत्रिका)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक नई दिल्ली स्थित भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय में दिनांक 16,17 जुलाई को संपन्न हुई जिसमे भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं दिल्ली प्रदेश प्रभारी डॉ मजीद मलिक कमांडो ने शिरकत की बैठक में विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई। तथा आगामी 27 जुलाई को भारतरत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे कलाम की पुण्यतिथि पर देशभर में कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तय की गई एवं डॉ कलाम स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2025 आगामी 12 अगस्त को दिल्ली में देने की घोषणा की गई बैठक में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी सहित राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सभी प्रदेश अध्यक्ष एवम राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा के 118 वें स्थापना सप्ताह के अवसर पर सूचना केंद्र वाचनालय में

-विद्यार्थियों हेतु आरओ सिस्टम भेंट, विभिन्न सामाजिक-जनजागरुकता गतिविधियों का आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। बैंक ऑफ बड़ौदा के 118वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सवाई माधोपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा सूचना केंद्र वाचनालय, सवाई माधोपुर में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल सुविधा हेतु वाटर प्यूरिफायर आरओ सिस्टम का लोकार्पण बैंक ऑफ बड़ौदा के उपमहाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख विमल कुमार जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहायक महाप्रबंधक एवं उपक्षेत्रीय प्रमुख विकास नारंग, क्षेत्रीय व्यवसाय विकास प्रबंधक डॉ. सत्येंद्र कुमार, सहायक निदेशक वीर सेन, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी सुरेन्द्र कुमार मीणा, वरिष्ठ सहायक किरोड़ी लाल मीणा एवं बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जैन ने कहा कि शिक्षा ही सशक्त भारत की नींव है, केंद्र व राज्य सरकारें तथा बैंक जैसे संस्थान सदैव मेहनती और लक्ष्य-निष्ठ युवाओं के समर्थन में तत्पर रहते हैं। यदि युवा वर्ग स्पष्ट लक्ष्य के साथ सही दिशा में आगे बढ़े, तो उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने युवाओं को निरंतर प्रयास करते हुए खुद को कौशलयुक्त एवं सक्षम बनाने की प्रेरणा दी। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के अंतर्गत लगाए गए इस आरओ सिस्टम से सूचना केंद्र वाचनालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा। वाचनालय में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि यह सुविधा उनके स्वास्थ्य और नियमित अध्ययन में सहायक सिद्ध होगी। छात्रों ने बताया कि अधिकांश विद्यार्थी साधनहीन एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि से है। इस नवाचार से उन्हें शुद्ध पेयजल मिलेगा एवं वे अपने लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। सहायक निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय परिसर स्थित यह सूचना केंद्र, जिले के सैकड़ों विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है, जहां निःशुल्क अध्ययन की व्यवस्था है। ऐसे में बैंक द्वारा की गई यह पहल विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनने के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व की उत्कृष्ट मिसाल भी है। सूचना केन्द्र वाचनालय में रिक्त सीटों पर निःशुल्क प्रवेश :- जिले के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा भविष्य की उड़ान नवाचार के तहत स्थापित सूचना केन्द्र वाचनालय में रिक्त सीटो पर पहले आओं-पहले पाओं की नीति पर प्रवेश दिया जा रहा है। इच्छुक प्रतिभागी प्रवेश के लिय वाचनालय समय में प्रातः 9:30 बजे से सांय 6 बजे तक प्रवेश ले सकते है।

खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल ने रामेश्वर धाम स्थित चतुर्भुजनाथ के दर्शन किये

-साथ ही भाजपा नवगठित जिला कार्यकारिणी का किया अभिनन्दन

सवाईमाधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान आज रामेश्वर धाम त्रिवेणी संगम पहुंच चतुर्भुज नाथ के दर्शन किए व भगवान शंकर का जलाभिषेक किया। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि रामेश्वर धाम जाते समय हम्मीर सर्किल सवाई माधोपुर पर सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल एवं जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर का भव्य स्वागत किया गया, इसके बाद छान, बहरावंडा खुर्द व कई स्थानों पर स्वागत किया गया। खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल ने पर्यटन विभाग के अधिकारी गण व कार्यकर्ताओं के मध्य संवाद के माध्यम से रामेश्वर धाम में विकास कार्य के सुझाव साझा किए। इस दौरान रामेश्वर धाम में पार्किंग, शौचालय, गार्डन, परशुराम भगवान मूर्ति स्थापना, पर्यटकों के लिए अच्छा गेस्ट हाउस, त्रिवेणी घाट निर्माण, यात्रियों के लिए दंडवत की सुविधा व अन्य कई विकास कार्यों के सुझाव कार्यकर्ताओं द्वारा आए, खंडार विधायक ने बताया कि रामेश्वर धाम के विकास के लिए लगभग 13 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं व रामेश्वर धाम में अच्छा विकास करते हुए कार्यकर्ताओं के सुझावों पर कार्य करने के लिय कहा। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओ ने प्रसादी ग्रहण की। इस क्रम में भाजपा की नवगठित जिला कार्यकारिणी का खण्डार विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल तथा भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर द्वारा रामेश्वर घाट पर आयोजित समारोह में अभिनन्दन एवं सत्कार किया गया, कार्यक्रम से पहले विधायक जितेंद्र गोठवाल तथा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के साथ जिला कार्यकारिणी की पूरी टीम ने रामेश्वर घाट स्थित शिवालय में पूजा अर्चना एवं महाभिषेक किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सवाईमाधोपुर जिले के भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

समिति का तीन दिवसीय हरियाली है खुशहाली है पौधरोपण अभियान का हुआ शुभारम्भ

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा तीन दिवसीय हरियाली है तो खुशहाली है पौधरोपण अभियान का शुभारम्भ राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में पौधे लगाकर किया गया। समिति व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान के नेतृत्व में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति संस्थापक व अभियान संयोजक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि अभियान के तहत अगले तीन दिनों में शहर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में दो सौ से अधिक पेड़ - पौधे लगाकर उनकी सार-संभाल की जिम्मेदारी ली जाएगी। डॉ अखतर खान ने बताया की अभियान का उद्देश्य क्षेत्र को हरा-भरा करना व अधिकाधिक पौधरोपण कर उनका संरक्षण करना है । डॉ शाहनवाज खान ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का अहम हिस्सा हैं , इसलिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाकर उनकी देखरेख करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस दौरान प्रधानाध्यापक नियाज मोहम्मद, अध्यापक इमरान बी खान, अध्यापक सिकंदर खान, सुलेमान मनिहार, असलम खान बिलाल खान, जाकिर अली खान, अजीत सिंह, महमूद खान फौजी, महबूब खान, शाहरुख मनिहार, मोहम्मद समीर आदि मौजूद रहे। समिति सहायक सचिव आवेश कुरैशी ने सभी का आभार जताया।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने किया बाल गृहों का आकस्मिक निरीक्षण

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार विक्रम सिंह भाटी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) पाली द्वारा राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह, पाली तथा राजकीय शिशु गृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भाटी द्वारा राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह तथा शिशु गृह की साफ-सफाई, बालकों के लिये स्वच्छ कपड़े, बिस्तर, भोजन व आहार, चिकित्सा व्यवस्था, पालनागृह, भवन की भौतिक स्थिति आदि व्यवस्थाओं बाबत् जायजा लिया। साथ ही भाटी द्वारा गृह में आवासित बालकों से वार्तालाप कर गृह में मिलने वाली सुविधाओं तथा अध्ययन के संबंध में एवं सम्प्रेषण गृह में विधि से संघर्षरत बालकों से उनकी परिवारजन से मुलाकात, न्यायमित्र द्वारा प्रकरण के संबंध में समय-समय पर अवगत करवाये जाने आदि के बारे में जानकारी ली। बालकों द्वारा गृह में पर्याप्त पोषित आहार तथा नाश्ते में आवश्यकतानुसार चाय एवं दूध उपलब्ध करवाया जाना बताया। वर्तमान में बालकों के खेलने हेतु इंडोर गेम्स में केरम, सांप सीढ़ी, लुड़ो इत्यादि उपलब्ध है। सचिव भाटी द्वारा गृहों में आवासित बालकों हेतु मैत्रीपूर्ण वातावरण उपलब्ध करवाने एवं भवन की नियमित रूप से साफ-सफाई एवं स्वच्छ रखने हेतु निर्देश दिए। दौराने निरीक्षण समन्वयक कन्हैयालाल आदि उपस्थित रहें।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की अभिनव पहल पर जिले में चल रहे कोड चूरू कार्यक्रम में

-उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों को मिले लैपटॉप

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में विद्यालयी स्तर पर ही विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान व कौशल आधारित शिक्षण सुनिश्चित करवाने की दिशा में जिले में चलाए जा रहे कोड चूरू कार्यक्रम अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों को शुक्रवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एफआईए (फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव एक्शन) के सहयोग से लैपटॉप प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि यह लैपटॉप सहायक उपकरण हैं। इसका प्रयोग बेहतरीन लर्निंग के रूप में हो और सकारात्मक परिणाम हमारे सामने आएं। कोड चूरू कार्यक्रम को चूरू जिले में शुरू किए जाने की मंशा साकार हो तथा बच्चे तकनीकी रूप से समृद्ध व सक्षम बनें। कोड चूरू कार्यक्रम में एजेंसी कोड योगी के राकेश कुमार ने विद्यार्थियों को एआई, तकनीकी ज्ञान, लर्निंग, कोडिंग, कंप्यूटर एवं सहायक उपकरणों के उपयोग तथा भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी। एफआईए (फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव एक्शन) के राजेश व अजय ने विद्यार्थियों से लैपटॉप के सकारात्मक उपयोग से बेहतरीन परिणामों के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। एसीपी नरेश टुहानिया ने इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से विचारों को मंच प्रदान करने की बात कही। सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़ ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा शिक्षा विभाग के माध्यम से क्रियान्विति व रूपरेखा की जानकारी दी। इस दौरान अतिथियों ने लक्ष्मी जांगिड़, अभिषेक पारीक, हिमेश सिंह, मयंक शर्मा, मोहित दर्जी, नरपत सिंह, नेहा गोयल, शिवा कुमार, तनसुख, जाहिद मोहम्मद आदि 10 विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए। इस दौरान विद्यार्थियों के अभिभावक व शिक्षक भी उपस्थित रहे।

जिले में अटल जनसेवा शिविर के तहत जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित

-एडीएम ने दिए त्वरित समस्या समाधान के निर्देश

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में शुक्रवार को अटल जनसेवा शिविर के तहत जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित डीओआईटी वीसी रूम में आयोजित इस जनसुनवाई में जिले भर से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं अतिरिक्त जिला कलक्टर दिवांशु शर्मा के समक्ष रखीं। एडीएम ने आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनसुनवाई में आने वाली समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। उन्होंने निर्देशित किया कि हर समस्या का समाधान प्रशासनिक स्तर पर शीघ्रता से किया जाए। जनसुनवाई के दौरान कुल 45 शिकायतें और समस्याएँ प्रस्तुत की गईं। इनमें विद्दत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग, चिकित्सा विभाग, जल संसाधन विभाग, वन विभाग, जिला परिषद, नगर परिषद, सहायता, आधार नामांकन, अतिक्रमण, जमीन पर कब्जा, पानी निकासी के प्रकरण शामिल थे। इसके अतिरिक्त अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएँ भी सामने आईं। एडीएम ने इस अवसर पर कहा कि आमजन की समस्याओं का निवारण करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि कुछ मामलों में तत्काल समाधान प्रदान किया गया, जबकि अन्य मामलों के लिए अतिरिक्त समय और प्रयास की आवश्यकता बताई गई, जिनके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किसी भी नागरिक को उसके हक से वंचित न होना पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन का उद्देश्य लोगों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करना है। जनसुनवाई के साथ एडीएम शर्मा की अध्यक्षता में सतर्कता समिति की बैठक भी हुई, जिसमें लंबित प्रकरणों पर चर्चा की गई और अगली बैठक से पहले उन पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान विभिन्न उपखण्ड क्षेत्रों से अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े रहे। जिला मुख्यालय से जिला परिषद सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, रसद अधिकारी अनिल चौधरी, सहायक निदेशक दुर्गाशंकर मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्भागीय आयुक्त भरतपुर दो दिवसीय दौरे पर

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। सम्भागीय आयुक्त भरतपुर डॉ. टीना सोनी 21 एवं 22 जुलाई को दो दिवसीय सवाई माधोपुर जिले के भ्रमण पर रहेंगे। इस दौरान सम्भागीय आयुक्त 21 जुलाई को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। वहीं ग्राम पंचायत खिलचीपुर में रात्रि चौपाल कर आमजन की समस्याएं सुनेंगे। वहीं 22 जुलाई को कैम्प कोर्ट सवाई माधोपुर में विकास कार्यो व विभागीय योजनाओं के संबंध में निरीक्षण करेंगे। तथा इसके पश्चात कार्यालय उपखण्ड अधिकारी गंगापुर सिटी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे।

जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने भावंरी में रात्रि चौपाल मे सुनी ग्रामीणों की समस्यायें

-ग्राम भांवरी का मॉडल सोलर विलेज के लिए चयन सौर ऊर्जा से होगा रोशन

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में गुरूवार को भांवरी ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर मंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने रात्रि चौपाल में आमजन की विभिन्न विभागों से जुडी समस्याओं को सुना जिनमें पंचायत, पानी ,राजस्व, आदि की समस्याओं को सुना और निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। इस अवसर पर सुनवाई के लिये लगभग 15 प्रकरण प्राप्त हुये जिनकी सुनवाई कर संबधित अधिकरियों को निस्तारण के लिये कहा। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ की जानकारी दी और लाभ लेने के लिये कहा। जिला कलक्टर मंत्री ने ग्रामीणों को जानकारी दी कि पूरे जिले में ग्राम भांवरी का चयन मॉडल सोलर विलेज के लिए किया गया है। इस योजना में ग्रामीणों के घर में बिजली खर्च नग्णय हो जाएगा। उन्होंने उपस्थिति लोगों से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने का आह्वान किया और इसका महत्व समझाया। साथ ही ग्रामीणों को कृषि व पशुपालन विभाग की योजनाओ की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मुकेश चौधरी, उपखण्ड अधिकारी विमलेन्द्र राणावत, प्रधान मोहिनी देवी, विकास अधिकारी भगवान सिंह, एक्सईएन पीएचईडी कानसिंह राणावत, एसई पीडब्ल्यूडी दिलीप परिहार, सरपंच सुनिता कंवर, पुखराज पटेल आदि उपस्थित रहे।

जल भराव क्षेत्रों में पैदल घूमे शिक्षा मंत्री, पानी निकासी के दिए निर्देश

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। जिले के रामगंजमंडी क्षेत्र में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण जल भराव और बाढ़ की हालत का निरीक्षण करने शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री तथा रामगंजमंडी के विधायक मदन दिलावर ने शुक्रवार को सुकेत कस्बे के पीलिया खाल में जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण किया। दिलावर ने नाले के कारण खेतों और बस्ती में पानी भर जाने के कारण अधिकारियों को नाले को चौड़ा करने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री सुकेत के यादव मोहल्ला पहुंचे जहां गलियों में पानी भरा हुआ था। शिक्षा मंत्री ने भरे हुए पानी में चलकर गलियों का निरीक्षण किया और लोगों की परेशानियां सुनी। उन्होंने अधिकारियों को बंद नाले खोलने और नालों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। कब्रिस्तान से पानी बहकर बस्ती में आने की शिकायत पर शिक्षा मंत्री ने पानी दूसरी तरफ डायवर्ट करने के निर्देश दिए। मंत्री ने सुकेत के मेहर मोहल्ला, होली का खुट सहित अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। साथ ही, खैराबाद, बैरवा बस्ती, हरियाखेड़ी, रावली तथा मांडा गांव का दौरा कर बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए निर्देश।

अप्सरा टॉकीज से गंभीरी नदी पुलिया तक अतिक्रमण मुक्त हुआ क्षेत्र

-नगर परिषद चित्तौड़गढ़ की सख्त कार्रवाई, शहर में यातायात को मिली नई गति

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। शहर को अतिक्रमण मुक्त, सुगम और स्वच्छ बनाने की दिशा में नगर परिषद चित्तौड़गढ़ द्वारा गुरुवार को एक और सख्त कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई अप्सरा टॉकीज से लेकर गंभीरी नदी के पुलिया तक के क्षेत्र में की गई, जहां लंबे समय से अवैध रूप से दुकानें, स्टॉल और ढांचें बनाकर सार्वजनिक मार्गों पर कब्जा किया जा रहा था। यह अभियान नगर परिषद के प्रशासक विनोद मल्होत्रा एवं ट्रैफिक पुलिस टीम के निर्देशन में, अतिक्रमण निरोधक दल, ट्रैफिक पुलिस, नगर परिषद आयुक्त जितेंद्र कुमार एवं संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस उप अधीक्षक रामेश्वर लाल एवं ट्रैफिक इंचार्ज मोतीराम के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। अवैध टिन शेड, लोहे-लकड़ी की अस्थायी दुकानें, ठेले, स्थायी निर्माण और अन्य ढांचों को हटाया

गया। फुटपाथ, नालियों और सड़कों से अतिक्रमण हटने के बाद क्षेत्र में पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही में सुविधा हुई है। ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए क्रेन सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे अवैध पार्किंग करने वालों के वाहनों को हटाया जा सकेगा। प्रशासक विनोद मल्होत्रा ने कहा "शहर की सुन्दरता और नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं की रक्षा हेतु अतिक्रमण हटाना आवश्यक कदम है। पुलिस उप अधीक्षक रामेश्वर लाल ने बताया कि "सुभाष चौक, गोल प्याऊ जैसे इलाकों में पहले से ही अतिक्रमण हटाकर ट्रैफिक व्यवस्था सुधारी जा चुकी है। अब नगर परिषद के सहयोग से क्रेन द्वारा अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाया जाएगा। नागरिकों से अपील है कि वे पार्किंग नियमों का पालन करें और सार्वजनिक मार्गों को अवरुद्ध न करें।"

स्थानीय लोगों का मिला समर्थन

क्षेत्र के नागरिकों ने नगर परिषद की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की स्थिति में स्पष्ट सुधार हुआ है। सड़कों की चौड़ाई बढ़ने और स्वच्छता में सुधार से आमजन को राहत मिली है।

इंदिरा प्रियदर्शिनी ऑडिटोरियम में "सहकार एवं रोजगार उत्सव" का जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

-121 युवा अभ्यर्थियों को सौंपे गए राजकीय सेवा के नियुक्ति पत्र

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के अंतर्गत गुरुवार को इंदिरा प्रियदर्शिनी ऑडिटोरियम, चित्तौड़गढ़ में "सहकार एवं रोजगार उत्सव" का जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कलक्टर आलोक रंजन ने की। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों में चयनित कुल 121 युवाओं को राजकीय सेवाओं में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। ये नियुक्तियाँ शिक्षा, चिकित्सा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, सहकारिता, केंद्रीय सहकारी बैंक, अजमेर विद्दत वितरण निगम लिमिटेड (AVVNL), आयुर्वेद, संस्कृत शिक्षा विभाग, स्थानीय निकाय, अभियोजन विभाग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों में की गई हैं।

राजकीय सेवा में नए अध्याय की शुरुआत

इस कार्यक्रम के माध्यम से इन युवाओं के जीवन में सरकारी सेवा का एक नया और प्रतिष्ठित अध्याय आरंभ हुआ। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी और प्रेरणादायक संबोधन में कहा "राजकीय सेवा केवल रोजगार नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम है। यह अवसर आपको समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का मंच प्रदान करता है। आप सभी को निष्ठा, पारदर्शिता और कर्तव्यपरायणता के साथ कार्य करना चाहिए।" कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन प्रभा गौतम, अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू.अ.) रामचंद्र खटीक, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश पुरोहित, उपखंड अधिकारी बीनू देवल, केंद्रीय सहकारी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर नानालाल चावला, उप रजिस्टार, प्रबंधक निदेशक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी, चयनित अभ्यर्थी एवं प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गुरु वशिष्ठ एवं महाराणा प्रताप पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

-31 जुलाई तक करें आवेदन

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा गुरु वशिष्ठ पुरस्कार एवं महाराणा प्रताप पुरस्कार हेतु प्रशिक्षकों एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं। जिला खेल अधिकारी श्री शमशेर सिंह ने बताया कि दोनों पुरस्कारों के लिए योग्य आवेदकों का राजस्थान का मूल निवासी होना अनिवार्य है। गुरु वशिष्ठ पुरस्कार हेतु वही प्रशिक्षक आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने अपने प्रशिक्षण में रहे खिलाड़ियों को पिछले चार वर्षों के दौरान अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रशिक्षित किया हो। खिलाड़ी को यह प्रमाण पत्र नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर देना अनिवार्य होगा कि उसे प्रशिक्षण उक्त प्रशिक्षक से प्राप्त हुआ है। साथ ही समाचार पत्रों की कटिंग व प्रदर्शन संबंधी प्रमाण पत्र संलग्न करने होंगे। महाराणा प्रताप पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय अथवा राष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को दिया जाता है। आवेदन के साथ प्रदर्शन प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। आवेदक www.rssc.in वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन पत्र राजस्थान ओलंपिक संघ, राज्य खेल संघ, जिला खेल अधिकारी, या संबंधित खेल प्रशिक्षण केंद्र से सत्यापित करवाना अनिवार्य है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन व नियमों संबंधी अधिक जानकारी के लिए इच्छुक खिलाड़ी व प्रशिक्षक राजस्थान राज्य हिडा परिषद, जयपुर की वेबसाइट पर विवरण देख सकते हैं।

राजस्थान सरकार युवाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रतिबद्ध

-अग्रसेन भवन में हुआ सहकार एवं रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर गुरुवार को हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित अग्रसेन भवन में सहकार एवं रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राज्य स्तरीय आयोजन दादिया, जयपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ा रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारिता के माध्यम से आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देना। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न विभागों में नवचयनित 161 नवनियुक्त कार्मिकों को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संदेश सहित वेलकम किट प्रदान कर स्वागत किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाए दी गईं। इस दौरान वक्ताओं ने सहकारिता आंदोलन के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे सामाजिक एवं आर्थिक समृद्धि की आधारशिला बताया। कार्यक्रम में जिले में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत 12 भंडार गृह (प्रत्येक 500 मीट्रिक टन क्षमता) का निर्माण किया गया है, जिनका लोकार्पण इस अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से भी संवाद किया गया और योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार सहकारिता के जरिए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का

लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों को शुभकामनाए देते हुए कहा कि वे अपनी सेवाओं में ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ काम करते हुए सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाए। उन्होंने सहकारिता को जन-जन की समृद्धि का माध्यम बताते हुए इसे सामाजिक सरोकारों से जोड़ने पर भी बल दिया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि अमित सहू, एसपी हरि शंकर, एडीएम उम्मेदी लाल मीना, विकास गुप्ता, देवेंद्र पारीक, डीओआईटी संयुक्त निदेशक योगेंद्र कुमार, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, सीपीओ विनोद गोदारा सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, नवनियुक्त कार्मिक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से भी किया गया, जहां केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सहकार सम्मेलन आयोजित किया गया।

जिले के 161 नवचयनितों को नियुक्त पत्र सौंपे

जिले के सूचना एव प्रौद्योगिकी विभाग में 7 प्रोग्रामर, 52 सूचना सहायक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में 36 चिकित्सा अधिकारी, 5 फार्मासिस्ट, 15 एनएचएम संविदात्मक पद, आयुर्वेद विभाग में 11 कम्पाउंडर/नर्स, सहकारिता विभाग में 6 सहकारी बैंक एवं राजफैड के विभिन्न पदों पर कार्मिकों, उच्च शिक्षा विभाग में 9 सहायक आचार्य, ऊर्जा विभाग 2 पदों, प्रारंभिक शिक्षा विभाग में अध्यापक ग्रेड (लेवल 1 एवं 2) में 3 शिक्षकों को नियुक्त पत्र सौंपे गए। स्वायत्त शासन विभाग में 4 अधिशामी अधिकारी वर्ग चतुर्थ, राजस्व अधिकारी II, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग 3 अनुकम्पा नियुक्त कार्मिकों, संस्कृत शिक्षा विभाग 2 प्राध्यापक विद्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग में 1पर्यवेक्षक, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग 1 कनिष्ठ सहायक सहित जिले के 161 नवचयनितों को वेलकम किट एवं नियुक्त पत्र सौंपे गए।

डॉ. दिलीप मोदी शेखावाटी फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष मनोनीत

-शेखावाटी के विकास के साथ-साथ झुंझुनूं के विकास में भी रहेगी महत्वपूर्ण भूमिका

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. दिलीप मोदी को शेखावाटी फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। जानकारी देते हुए राजस्थान जाट महासभा प्रदेश महासचिव कुरड़ाराम धींवा ने बताया कि शेखावाटी फांउडेशन द्वारा जयपुर के टोंक रोड़ स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में नई नियुक्तियों की घोषणा हुई। जिसमें सभी राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति में सभी ने सर्वसम्मति से डॉ. दिलीप मोदी को शेखावाटी फांउडेशन के जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया, जो झुंझुनूं जिले के लिए बड़े गर्व और सम्मान का विषय है। ज्ञातव्य है कि डॉ. मोदी झुंझुनूं प्रगति संस्थान झुंझुनूं के भी अध्यक्ष हैं। ये संस्थान झुंझुनूं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान ने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण तथा पर्यटन स्थलों के विकास के लिए भी कार्य किया है। राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति में संगठन की नई नियुक्तियों की औपचारिक घोषणा की गई। जिसमें शिवप्रसाद सोनी को जिला अध्यक्ष सीकर एवं महावीर हुड्डा को जिला महामंत्री सीकर नियुक्त किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बिनोद गोयल ने कहा कि संस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर और प्रदेश स्तर पर विस्तार किया

जाएगा। राष्ट्रीय संयोजक हरि शर्मा ने कहा कि ये नियुक्ति याँ संगठन को मजबूत आधार प्रदान करेंगी और शेखावाटी की विरासत, हवेलियाँ, बावड़ियाँ, लोककला और संस्कृति को संरक्षित व प्रचारित करने के उद्देश्य से यह टीम राज्यभर में सक्रिय अभियान चलाएगी। डॉ. मोदी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो बड़ी जिम्मेदारी मुझे सौंपी है इसके लिए सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार। उन्होंने कहा कि शेखावाटी के विकास के साथ-साथ झुंझुनूं के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। शेखावाटी के साथ-साथ झुंझुनूं जिले के विकास को भी पंख लगेंगे तथा विकास के और अधिक नए द्वार खुलेंगे। डॉ. मोदी ने बताया कि शीघ्र ही झुंझुनूं की कार्यकारिणी का भी विस्तार किया जाएगा, जिससे शेखावाटी की कला, संस्कृति, पर्यटन स्थल व विरासत और अधिक समृद्ध होंगे। शेखावाटी फाउंडेशन के राष्ट्रीय प्रभारी पशुपति कुमार शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा, रमाकांत जौहरी, जाकिर भाटी, राष्ट्रीय सचिव प्रवीण बलवादा, जय सिंह भगासरा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, अनुराग शर्मा कार्यक्रम में उपस्थित थे जिन्होंने डॉ. मोदी को झुंझुनूं जिलाध्यक्ष मनोनीत होने पर बधाई दी। झुंझुनूं प्रगति संस्थान के सचिव एडवोकेट अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजेन्द्र जोशी, प्रदीप पाटोदिया, सहसचिव योगेश खंडेलिया, भंवरलाल स्वामी, कोषाध्यक्ष संजय नांगलिया, सहकोषाध्यक्ष अशोक केडिया, पीआरओ डॉ. डीएन तुलस्यान के साथ संरक्षक मंडल के सदस्य ताराचंद गुप्ता, श्रवण केजड़ीवाल, परमेश्वर लाल हलवाई, डॉ. हनुमान प्रसाद, हरिराम महण, नरेश गाडिया, पवन गाडिया, सत्यदेव दड़िया, प्रमोद खंडेलिया, पवन पुजारी, शिवचरण पुरोहित, सीए पवन केडिया, नेमी अग्रवाल, हरीश तुलस्यान, मुरारि सैनी, शिव कुमार जांगिड़, नरेन्द्र व्यास तथा डॉ. रवि शंकर शर्मा एवं सरोज सिंह ने भी डॉ. मोदी को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आमजन से प्राप्त शिकायतों एवं जन अभियोगों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि प्राप्त प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए और जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जनसुनवाई की प्रभावशीलता आवश्यक है। समिति द्वारा अवैध निर्माण, अतिक्रमण, चिट फंड, पट्टा निरस्तीकरण एवं राजस्व प्रकरणों सहित अन्य प्रकरणों की सुनवाई की गई। जिला कलक्टर ने सभी विषयों पर विभागीय अधिकारियों से रिपोर्ट ली और समाधान की समयसीमा निर्धारित की। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि जन अभियोगों की शिकायतों का समाधान करने के पश्चात संबंधित परिवादी को सूचित किया जाए। उन्होंने कहा कि सतर्कता और जन जवाबदेही राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए प्राप्त परिवादों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी कार्यवाही कर राहत प्रदान की जाना सुनिश्चित करें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार, नगर निगम के अधिकारी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जलदाय, विद्दत वितरण निगम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति पर चित्रकला व लघु फिल्म प्रतियोगिता में 20 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीकरण

-विजेता प्रतिभागियों को एलईडी टीवी, साईकिल जैसे पुरस्कार जीतने का मौका

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। युवाओं को नशे की विनाशकारी आदत से बचाने और समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिले में संचालित "मानस नशा मुक्ति अभियान" के तहत चित्रकला एवं लघु फिल्म/वीडियो क्लिप प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। अभियान के तहत प्रतिभागियों को नशामुक्ति विषय पर मौलिक रचनाए प्रस्तुत करनी होंगी, जिनके आधार पर चयनित विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

जूनियर और सीनियर वर्ग में आयोजन

प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की जा रही है। जिसमें जूनियर वर्ग (20 वर्ष तक) एवं सीनियर वर्ग (20 वर्ष से अधिक आयु) की आयु गणना के लिए 9 जुलाई, 2025 को आधार माना जाएगा। हनुमानगढ़ जिले के विद्यार्थी, युवा एवं इच्छुक महिला-पुरुष प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व मानस अभियान की ई-शपथ लेना अनिवार्य होगा।

दोनों प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति

प्रतिभागी चित्रकला (पेंटिंग) तथा नशामुक्ति पर आधारित अधिकतम 5 मिनट की लघु फिल्म/विडियो क्लिप सहित दोनों प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं। पंजीकरण की प्रक्रिया अब 20 जुलाई, 2025 तक https://forms.gle/Bxe2yZ7ProV-J4LXB8 पर संचालित होगी। प्रतिभागियों को अपनी प्रविष्टियां गुगल ड्राइव पर अपलोड कर उसका लिंक पंजीकरण फॉर्म में प्रस्तुत करना होगा। लघु फिल्म प्रतियोगिता में केवल निर्माता को ही प्रतिभागी मानते हुए पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म और वीडियो क्लिप को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड करना होगा। प्रतियोगिता में प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन जिला स्तर पर गठित निर्णायक समिति द्वारा किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को जिला स्तरीय समारोह में जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाना है, बल्कि युवाओं की सृजनात्मकता को भी बढ़ावा देना है।

विजेताओं को मिलेंगे आकर्षक पुरस्कार

प्रत्येक वर्ग (जूनियर एवं सीनियर) और प्रतियोगिता (चित्रकला व लघु फिल्म) के लिए तीन-तीन पुरस्कार घोषित किए गए हैं। जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में प्रत्येक वर्ग और प्रतियोगिता में एलईडी टीवी एवं 5100 रुपए नकद दिए जाएंगे। द्वितीय पुरस्कार के रूप में साईकिल एवं 1100 रुपए नकद, तृतीय पुरस्कार के रूप में फिटनेस स्मार्ट वॉच एवं 501 रुपए नकद दिए जाएंगे। जिले के 36 प्रतिभागियों को पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा।

डकैती व सामुहिक दुष्कर्म के अज्ञात मुल्जिमान की गिरफतारी पर आमजन खुश

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि 29.06.2025 व 30.06. 2025 की दरमियानी रात्रि को अज्ञात आरोपीगण द्वारा रोही ग्राम रतनपुरा में बनी दो ढाणीयों में हथियार सहित डकैती व सामुहिक दुष्कर्म की संगीन वारदात के बाद भयभीत आमजन ने पुलिस से घटना पर त्वरीत कार्यवाही कर पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने व आमजन में पसरे खौफ से निजाद दिलाने के लिए पुलिस से गुहार लगाई थी। घटना की गम्भीरता को देखते हुए अति. पुलिस अधीक्षक राजगढ किशोरीलाल आर पी एस एवं सहायक पुलिस अधीक्षक वृत राजगढ निश्चयप्रसाद एम. आईपीएस निकट सुपरविजन में व थानाधिकारी राजगढ राजेश कुमार पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया जिसमें संदीप कुमार पुलिस थाना राजगढ व मुकेश कुमार , जिला स्पेशल टीम चूरू द्वारा कडी मेहनत व लगन से महज दो सप्ताह में सनसनीखेज घटना का पर्दाफाश कर दिया तथा कल देर शाम अज्ञात चार आरोपीगण को पुलिस हिरासत में लिया गया। पुलिस द्वारा डकैती सहित सामुहिक दष्कर्म जैसी सनसनीखेज संगीन व घिनोनी घटना का बहुत कम समय में ना केवल पर्दाफाश किया बल्कि चार अन्त्रतराज्यीय गिरोह के सदस्यों को पलिस हिरासत में ले लेने की बात आम को पता चलने पर सोशल मिडीया पर पुलिस की तत्परता, कार्यशैली, की तारीफों के पुल बंधने लगे तथा खबर धीरे-धीरे आमजन तक पहुँची तो पुलिस की असंभव प्रतीत होने वाली सफलता पर गदगद भारी सख्या में आमजन आज पुलिस थाना राजगढ पर पहुंचा तथा पुलिस टीम का थाना पर फुल माला पहनाकर सम्मान किया। काफी सख्या में ग्रामीणों द्वारा पुलिस की तत्परता व कठीन मेहनत पर अपने विचार व्यक्त कर तारीफों के पुल बांधे। प्रकरण का अनुसंधान सहायक पुलिस अधीक्षक राजगढ निश्चय प्रसाद एम. द्वारा किया जा रहा है। सहायक पुलिस अधीक्षक राजगढ ने मुल्जिमान की प्रारंभिक पुछताछ से मिली जानकारी से बताया कि मुल्जिमान आदतन लूट व डकैती की घटना कारित करने के अभ्यस्त अपराधी है जिनके खिलाफ पुर्व में भी डकैती लूट चोरी जैसी कई आपराधिक प्रकरण दर्ज होना पाये गये है विभिन्न पुलिस थानो से आपराधिक रिकार्ड प्राप्त किया गया है। अनुसंधान से मुल्जिमान द्वारा और भी अनसुलझी गम्भीर वारदातों के खुलासा होने की संभावना है फिलहाल सभी मुल्जिमान को विधिक कार्यवाही हेतु न्यायिक अभिरक्षा मे भिजवाया गया है जिन्हे पुनः पी० सी० रिमाण्ड पर पुलिस अभिरक्षा में लिये जाकर अनसंधान किया जावेगा।

सहकार एवं रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम होटल शगुन में हुआ आयोजित

-87 नवनियुक्त कार्मिकों को दिए नियुक्ति पत्र एवं वेलकम किट

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में सहकार एवं रोजगार उत्सव के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प की सिद्धि की दिशा में प्रदेश को सहकारिता के क्षेत्र में बड़ी सौगातें दी। जिससे किसान, गरीब, महिला सहित विभिन्न वर्गों के आर्थिक सशक्तीकरण को गति मिलेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कृषक भाइयों के हित में निर्णय लेते हुए किसान सम्मान निधि योजना की राशि में 1 हज़ार रुपए की बढ़ोतरी करते हुए 9000 रुपए प्रति वर्ष की गई हैं। इसी के साथ बूंदी में जिला स्तरीय कार्यक्रम नैनवां रोड़ स्थित होटल शगुन में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों में नव-नियुक्त 87 कार्मिकों का अभिनंदन किया

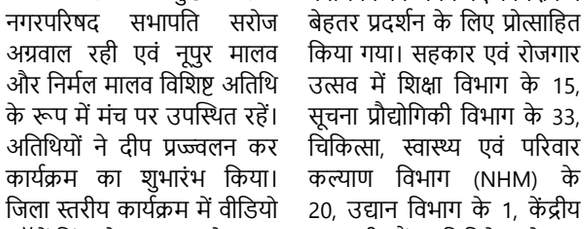

गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगरपरिषद सभापति सरोज अग्रवाल रही एवं नूपुर मालव और निर्मल मालव विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहें। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया।

87 नवनियुक्त कार्मिकों को दिए नियुक्ति पत्र एवं वेलकम किट-

बूंदी में नवनियुक्त कार्मिकों को राज्य सरकार से प्राप्त वेलकम किट और उनके कार्यदायित्वों की पुस्तिका के साथ नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इस दौरान नवनियुक्त कार्मिकों को अपने नए कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया। सहकार एवं रोजगार उत्सव में शिक्षा विभाग के 15, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के 33, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (NHM) के 20, उद्यान विभाग के 1, केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के 2, जयपुर विद्दत वितरण निगम लिमिटेड के 9, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के 1, आयुर्वेद विभाग के 4, नगरपरिषद बूंदी के 1 और संस्कृत शिक्षा विभाग के 1 सहित कुल 87 कार्मिकों को वेलकम किट एवं नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री संजय शर्मा का यात्रा कार्यक्रम

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राज्य मंत्री संजय शर्मा शुक्रवार, 18 जुलाई सायं 7 बजे अजमेर पहुंचेंगे। राज्य मंत्री संजय शर्मा शनिवार 19 जुलाई को प्रातः 6 बजे मातृवन आदर्श नगर में अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रातः 10 बजे राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सभा भवन में आयोजित वन तथा पर्यावरण विभाग एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग की जिले की बजट घोषणाओं, पौधारोपण व अन्य योजनाओं तथा विभागीय कार्यकलापों की समीक्षा बैठक में भाग लेंगे। इसके पश्चात शर्मा जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सहकार एवं रोजगार उत्सव जिला स्तरीय समारोह: 298 युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। सहकार एवं रोजगार उत्सव का राज्य स्तरीय समारोह जयपुर में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य तथा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मौजूदगी में गुरुवार को आयोजित हुआ। इस दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने अन्न भंडारण योजना के तहत निर्मित 24 गोदामों तथा अन्न के प्रोत्साहन के लिए संचालित 64 मिलेटस का लोकार्पण किया। उन्होंने गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 1400 लाभार्थियों को 12 करोड़ ऋण तथा दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को 2 हजार 346 माइक्रो एटीएम का वितरण किया। श्वेत क्रांति 2.0 पीडीसीएस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की लांचित की तथा थानों, सशस्त्र बलों, ट्रूप कैरिअर तथा प्रशिक्षण के लिए 100 नए पुलिस वाहनों को फ्लेग ऑफ कर रवाना किया। इस दौरान 8 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए। समारोह का सीधा प्रसारण रवीन्द्र रंगमंच पर किया गया। इस दौरान जिले के 298 नव चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

पापा जैकी श्रॉफ के और करीब ले जाएगा छोरियां चली गांव शो: कृष्णा श्रॉफ

कृष्णा श्रॉफ जल्द ही एक रिएलिटी शो छोरियां चली गांव से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि यह शो उन्हें उनके पिता और अनुभवी अभिनेता जैकी श्रॉफ के उन अनुभवों के करीब लाएगा, जिन्हें उन्होंने गांव में भी जिया है। बातचीत में कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उनके पिता जैकी श्रॉफ उनके रिएलिटी शो छोरियां चली गांव में हिस्सा लेने को लेकर सबसे यादा खुश हैं। जब कृष्णा से पूछा गया कि उस पर उनके पिता की प्रतिक्रिया कैसी थी, तो उन्होंने कहा, वो तो सबसे यादा एक्साइटेड हैं। उन्हें सादगी से भरा जीवन बहुत पसंद है। इसलिए जब उन्हें पता चला कि मैं ऐसे रिएलिटी शो में जा रही हूं, जिसमें गांव की जिंदगी दिखेगी, तो वे बहुत खुश हुए। मुझे लगता है कि इस शो के बाद मैं उनके जीवन के उस नजरिए को और अछी तरह समझ पाऊंगी। कृष्णा श्रॉफ ने बताया, मेरा भाई टाइगर श्रॉफ बार-बार मुझसे पूछते हैं, क्या तुम वाकई ये करना चाहती हो? क्योंकि वह जानते हैं कि मैं किस तरह की लाइफस्टाइल जीती हूं। लेकिन मेरा मानना है कि मैं अपने भाई को इस शो से चौंका दूंगी। शो में मेरा परफॉर्मेंस देखने के बाद उन्हें मुझ पर गर्व महसूस होगा।

कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उन्हें छोरियां चली गांव शो करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि इसमें बहुत कुछ सीखने का मौका है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैं इस अनुभव को पूरी तरह अपनाने जा रही हूं। यहां मैं ऐसी जरूरी बातें और जिंदगी के हुनर सीखूंगी, जिनका इस्तेमाल मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकूं। उन्होंने आगे कहा है कि उन्हें गांव के लोगों से ही नहीं, बल्कि शो की बाकी लड़कियों से भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। ये सभी महिलाएं मजबूत और आत्मनिर्भर हैं, और उनकी जिंदगी से सीखने के लिए बहुत कुछ है।

माधवन ने खुद को बताया प्रियंका का फैन

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन ने एक बार फिर ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा की जमकर तारीफ की है। एक्टर ने कहा कि प्रियंका ने जो कुछ भी हासिल किया वो अपनी मेहनत से किया।

बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन इन दिनों अपनी नई फिल्म आप जैसा कोई के प्रमोशन्स में बिजी हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके साथ नजर आ रही हैं फातिमा सना शेख। इस फिल्म में माधवन की एक्टिंग को सराहा जा रहा है। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में आर माधवन ने ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। माधवन ने न सिर्फ प्रियंका की जमकर तारीफ की, बल्कि यह भी बताया कि बॉलीवुड के कई सितारे आज उनकी तरह बनना चाहते हैं।

प्रियंका चोपड़ा यूं ही ग्लोबल आइकन नहीं बनीं

सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में आर माधवन ने प्रियंका के संघर्ष और सफलता की कहानी को बेहद इंस्पायरिंग बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका आज जिस भी मुकाम पर पहुंची हैं वो कोई संयोग नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत का नतीजा है। माधवन ने ये भी कहा कि आज जो कलाकार बॉलीवुड में प्रियंका की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना चाहते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यह मुकाम किसी शॉर्टकट से नहीं आता।

इस दौरान माधवन ने कहा, प्रियंका ने खुद को हर चुनौती के लिए तैयार किया। उन्होंने न सिर्फ भारतीय सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि हॉलीवुड में भी दमदार पहचान बनाई। हाल ही में उनकी एक एक्शन फिल्म हेड ऑफ स्टेट आई, जिसमें उन्होंने जो भूमिका निभाई, वो बताता है कि वो कितनी वर्सेटाइल हैं। माधवन ने ये भी कहा कि वो खुद प्रियंका के फैन हैं। उन्होंने कहा, मैं उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और सफलता से बहुत प्रभावित हूं। जिस तरह वो आगे बढ़ीं, देश का नाम रोशन किया, उस पर मुझे गर्व है। माधवन के इस बयान से साफ है कि फिल्म इंडस्ट्री में प्रियंका को सिर्फ दर्शकों का ही नहीं, बल्कि अपने साथियों का भी भरपूर सपोर्ट और प्यार मिलता है।

'आप जैसा कोई' के बारे में

आर माधवन की नई फिल्म आप जैसा कोई एक मॉडर्न लव स्टोरी है, जिसमें उन्होंने जमशेदपुर के रहने वाले एक आम आदमी का किरदार निभाया है। फातिमा सना शेख के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी काफी सराहा जा रहा है। माधवन ने 'रंग दे बसंती' हो, '3 इडियट्स', 'इरुधि सुत्रु' जैसी फिल्मों में अपनी बेहतरीन एक्टिंग से साबित किया है कि वो एक अच्छे अभिनेता हैं।

सिंगर कैलाश खेर ने आखिर क्यों कहा, हमें पश्चिमी देशों से सीखने की जरूरत है?

सिंगर कैलाश खेर ने संगीत में आए बदलावों, लोक कलाकारों की बढ़ती पहचान और भारतीय संस्कृति के बारे में अपने विचार खुलकर रखे। उन्होंने कहा है कि हमें पश्चिमी देशों से सीखने की जरूरत है। आईएएनएस ने जब कैलाश खेर से पिछले दस सालों में बॉलीवुड संगीत में आए बड़े बदलावों के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि वे संगीत को सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं मानते, बल्कि पूरे संगीत जगत को एक साथ देखते हैं। उनका कहना है कि आजकल संगीत सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रह गया है। इंडिपेंडेंट म्यूजिक और नॉन-फिल्म गानों की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। आज के समय में ऐसे बहुत से प्लेटफॉर्म हैं, जहां नए और अलग तरह के गायक-कलाकार अपनी कला दिखा सकते हैं। उन्होंने लोक कलाकारों, मंगणियारों और घुमंतू जनजातियों की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करते हुए कहा कि जो कलाकार पहले सिर्फ गांवों या लोकल स्तर पर गाते थे, उन्हें अब बड़े मंच और देशभर में पहचान मिलने लगी है। कैलाश खेर ने कहा, मैं सिर्फ बॉलीवुड संगीत की बात नहीं करता। मैं पूरे संगीत की बात करता हूं। बहुत से ऐसे गाने और कलाकार हैं जो

फिल्मों से अलग हैं और उनका संगीत काफी हिट हो रहा है। लोक संगीत के कलाकार, मंगणियार, और घुमंतू जनजाति के लोग, जो पहले सिर्फ अपने गांव या समुदाय में गाते थे, अब उन्हें भी बड़े मंच मिल रहे हैं और लोग उन्हें पहचानने लगे हैं। यह जागरूकता धीरे-धीरे बढ़ रही है। संगीतकार ने कहा, आज हम सिर्फ कला की बात कर रहे हैं। कला के जरिए शिक्षा और संस्कृति को समझने में मदद मिलती है। हम बदलते हैं और आगे बढ़ते हैं। हमें सचे जीवन जीने की कला सीखनी चाहिए। अगर हम भारत की जिंदगी और पश्चिमी देशों की जिंदगी को देखें, तो हमें साफ फर्क दिखेगा। पद्म श्री कैलाश खेर ने अपनी एकेडमी कैलाश खेर एकेडमी फॉर लर्निंग आर्ट (केकेएएलए) के बारे में कहा, यह हमारी एक छोटी कोशिश है जो संस्कृति की समझ और सचे जीवन की कला को बढ़ावा देती है। इसका मुख्य मकसद है कि हम कला के जरिए जीवन जीना सीखें। भारत के यादातर संगीत स्कूल सिर्फ गाने और राग सिखाते हैं, लेकिन वे हमारे व्यक्तित्व, हमारी सुनने की क्षमता, हमारे गीतों के मतलब समझने और हमारी संस्कृति के बारे में नहीं बताते।

समंदर किनारे रोमांटिक हुए प्रियंका-निक

प्रियंका चोपड़ा जोनास न केवल एक ग्लोबल स्टार हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी उनकी मौजूदगी काफी खास और दिल को छू लेने वाली होती है। वे अपने चाहने वालों से जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अपनी प्रोफेशनल जिंदगी के साथ-साथ पर्सनल लाइफ की भी खूबसूरत झलकियां फैंस के साथ साझा करती हैं। इस बीच प्रियंका ने अपने पति निक जोनास के लिए अपना प्यार जाहिर किया, उन्होंने निक के साथ एक बेहद खास वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया। वीडियो में दोनों समुद्र किनारे प्यार भरे पल बिताते दिख रहे हैं। वीडियो में पहले निक बीच पर अकेले खड़े हैं और नीचे की ओर लिखा है- विदआउट हर यानी उसके बिना, और साथ में एक उदास इमोजी भी है। लुक की बात करें तो उन्होंने ब्लैक स्लीवलेस टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं और रेड कलर की कैप भी पहन रखी है। इस वीडियो के बैकग्राउंड म्यूजिक में उनके बैंड जोनास ब्रदर्स का नया गाना आई कान्ट लूज प्ले हो रहा है। जैसे ही गाने की बीट तेज होती है, प्रियंका दौड़ते हुए निक के पास आती हैं और उन्हें कसकर गले लगाती हैं। इस दौरान स्क्रीन पर लिखा आता है- विद हर! यानी उसके साथ, और आगे हैप्पी इमोजी भी होते हैं। इस रोमांटिक वीडियो को निक ने पहले अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था, जिसे प्रियंका ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर री-शेयर किया और कैप्शन में लिखा, माइन, यानी आप मेरे हो। वहीं पॉप सिंगर निक ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा था, मैं आपको खोना नहीं चाहता। प्रियंका और निक ने मई 2018 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था और उसी साल अगस्त में उन्होंने सगाई कर ली। दिसंबर 2018 में, उन्होंने जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में शादी की। दोनों ने अपनी-अपनी संस्कृति का सम्मान करते हुए शादी की। पहले हिंदू रिवाजों के अनुसार शादी हुई और दूसरी बार क्रिश्चियन रिवाजों के अनुसार शादी की। इस कपल ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी पहली बेटी मालती मेरी चोपड़ा जोनास का स्वागत किया।

गाने पुराने नहीं होते, बल्कि दिल में बस जाते हैं: रुपाली गांगुली

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री रुपाली गांगुली अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक गाने पर डांस करती नजर आईं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तड़पाओगे तड़पा लो गाने पर डांस कर रही हैं। वीडियो में रुपाली ने लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है। गाने के बोल के साथ शानदार एक्सप्रेशन देते हुए वह डांस करती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, गाने पुराने नहीं होते, बल्कि दिल में बस जाते हैं। फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। रुपाली के फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें हार्ट, फायर, और स्माइली इमोजी शेयर कर रहे हैं। बता दें, यह गाना कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है, जिसको फॉलो करते हुए अभिनेत्री सपना चौधरी और भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने भी वीडियो बनाई थी और लाखों व्यूज पाए थे। तड़पोगे तड़पा लो गाना साल 1957 में रिलीज हुई फिल्म बरखा का है। इस गाने को स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने गाया है। वहीं गाने के बोल राजिंदर कृष्ण के हैं। यह तमिल फिल्म थाई पिरांधल वाझी पिराक्कुम का रीमेक थी। गाने का संगीत काफी मधुर है, जिसे चित्रगुप्त ने तैयार किया था। गाने की तरह फिल्म को भी लोगों ने काफी पसंद किया था। इसमें नंदा, जगदीप, शुभा खोटे, आनंद कुमार, डेविड अब्राहम, अचला सचदेव, लीला चिटनिस और मोहन चोटी जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के निर्देशक आर. कृष्णन और एस. पंजू थे। वहीं इसे एवीएम प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले रिलीज किया गया था।

सलमान खान ने मुंबई में बेचा अपना लग्जरी फ्लैट, इतने करोड़ रुपये मिली कीमत

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने मुंबई के बांद्रा स्थित अपना आलीशान फ्लैट बेच दिया है। इसकी कीमत सुन आप चौंक जाएंगे। अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवां की तैयारियों में व्यस्त हैं। बीते दिनों फिल्म से उनका पहला लुक जारी हुआ। इस बीच अभिनेता ने अपना मुंबई में फ्लैट बेच दिया है।

करीब 1,318 वर्ग फुट में बने इस लग्जरी फ्लैट की डील करोड़ों रुपये में हुई है। सलमान खान ने यह फ्लैट करीब 5.35 करोड़ रुपये में बेचा है। स्क्वायर यार्ड्स के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने मुंबई के बांद्रा (पश्चिम) में स्थिति अपना करीब 1,318 वर्ग फुट का अपार्टमेंट 5.35 करोड़ रुपये में बेचा है। बुधवार को रियल एस्टेट कंसल्टेंट स्क्वायर यार्ड्स ने एक बयान में कहा कि उसने सलमान खान की डील के प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स का रिव्यू किया। ट्रांजेक्शन इसी महीने रजिस्टर्ड हुआ है।

सैयारा में बहुत मासूमियत और पवित्रता है: श्रेया घोषाल

अपने गायन से कई लोगों का दिल जीतने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायिका श्रेया घोषाल ने फिल्म सैयारा के टाइटल ट्रैक के रीप्राइड वर्जन में अपनी आवाज दी है। उन्होंने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे शानदार फिल्मों में से एक बताया। उन्होंने कहा, इस फिल्म और इसके गानों में इतनी सादगी और सचाई है कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास अनुभव था। श्रेया ने बताया कि, उन्हें एक ऐसी फिल्म में गाना गाने का मौका मिला, जिसने उनका दिल जीत लिया।

गुरु की तलाश में तीन दिन बर्फीली पहाड़ियों में बैठे रहे शेखर कपूर

फिल्ममेकर शेखर कपूर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर करते हुए पहाड़ों के सफर से जुड़ा दिलचस्प किस्सा सुनाया, जो उनके जीवन का खास अनुभव रहा। उन्होंने अपनी काव्यात्मक शैली में लिखा कि कैसे वे अपने गुरु से मिले और उन्हें आत्म-ज्ञान का गहरा अनुभव हुआ। कपूर ने इंस्टाग्राम पर बर्फीले पहाड़ों के बीच बैठे अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें शेखर कपूर बर्फीले पहाड़ों के बीच बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट लिखा है, जिसमें उन्होंने बताया कि वह तीन दिन तक वहीं बैठे रहे थे। उन्होंने नोट में लिखा, मैं वहां तीन दिन तक बैठा रहा। मैं इतने लंबे समय से इस पहाड़ पर चढ़ रहा था और थक चुका था... लेकिन मेरे गुरु मेरी तरफ देख कर भी ध्यान नहीं दे रहे थे। मैं बस उनकी सांसें सुन पा रहा था... और शायद प्रार्थना की आवाजें भी... हो सकता है कि वह आवाजें पहाड़ों से टकराती हवाओं की हों. आखिरकार, मैंने हिम्मत जुटाकर बात करने की कोशिश की। शेखर कपूर ने आगे कहा, मैंने अपने गुरु की तलाश कई सालों तक की, सच कहें तो पूरी जिंदगी। एक पल के लिए लगता कि मैंने उनकी आवाज सुनी है, और दूसरे पल लगता शायद यह मेरी कल्पना थी, क्योंकि आस-पास बस हवा की आवाजें ही आ रही थीं।

साभार एजेंसी

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस रान्या राव को सोने की तस्करी के आरोप में जेल

जमानत भी नहीं मिली

साउथ की एक एक्ट्रेस रान्या राव को एक साल की सजा हुई। विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम मामले को देख रहे सलाहकार बोर्ड ने हाल ही में फैसला सुनाया कि रान्या राव को हिरासत की समय सीमा के दौरान जमानत भी नहीं दी जाएगी।

पहले मिली थी जमानत

तय समय सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल करने में असफल रहने के बाद, रान्या राव को 20 मई को कोर्ट ने उनके सह-आरोपी तरुण राजू के साथ डिफॉल्ट बेल यानी जमानत दे दी थी। 2 लाख रुपये के बॉन्ड और जमानत शर्तों पर बेल मिलने के बावजूद रान्या और तरुण COFEPOSA के तहत हिरासत में ही रहे। दरअसल, COFEPOSA तस्करी के शक के आधार पर बिना किसी औपचारिक आरोप के भी एक साल तक की हिरासत की परमिशन देता है।

हवाई अड्डे पर रान्या से बरामद हुआ था सोना

इस साल मार्च महीने में रान्या राव दुबई से आई थीं और केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ग्रीन चैनल से गुजरने की कोशिश कर रही थीं। यह जगह आमतौर पर डयूटीबेल सामान वाले यात्रियों के लिए होती है। डीआरआई ऑफिसर ने रान्या से पूछा कि उनके पास कुछ अनडिक्लेयर सामान है। इस पर वह टेंशन में आ गईं।

प्रज्ञानंद ने कार्लसन को हराया

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में संयुक्त बढ़त बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लास वेगास में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर में दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन पर शानदार जीत दर्ज की। 19 वर्षीय प्रज्ञानंद ने पांच बार के विश्व चैंपियन को मात्र 39 चालों में मात दी।

नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर कार्लसन, जो हाल ही में भारत के मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश से लगातार हार चुके हैं, उन्हें एक और हार का सामना करना पड़ा। कार्लसन को 19 साल के आर प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के चौथे राउंड में हरा दिया। इस टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी को 10 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकंड अतिरिक्त मिलते हैं। प्रज्ञानंद अब आठ खिलाड़ियों वाले ग्रुप व्हाइट में 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट की शुरुआत नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ काले मोहरों से ड्रॉ खेलकर की। इसके बाद उन्होंने असाउबायेवा को हराया। तीसरे राउंड में उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए कीमर को हराया और फिर चौथे राउंड में कार्लसन को चौंका दिया। हालांकि, कार्लसन पेरिस और कार्लजूए में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीत चुके हैं। वह पूरे टूर में शीर्ष पर थे, लेकिन उन्हें अब लास वेगास में खिताबी दौड़ से बाहर होना पड़ा है। राउंड-रॉबिन चरण में उतार-चढ़ाव भरे दिन के बाद कार्लसन अपने ग्रुप में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे और प्लेऑफ में लेवोन अरोनियन से हारकर बाहर हो गए।

अब वह निचले ब्रैकेट में पहुंच गए हैं, जहां तीसरे से ऊपर नहीं आ सकते। कार्लसन ने दो जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन फिर उनकी परफॉर्मेंस गिर गई। प्रज्ञानंद और वेस्ली सो से हार और दो ड्रॉ के बाद, उन्हें अंतिम दौर में जीत की जरूरत थी, ताकि टाईब्रेकर हो सके। उन्होंने बिबिसारा अस्सौबायेवा को हराया, लेकिन फिर दोनों प्लेऑफ गेम अरोनियन से हार गए। इसके चलते वह टॉप ब्रैकेट में नहीं जा सके। इसी ग्रुप में, प्रज्ञानंदा, नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और जावोखिर सिंडारोव ने 4.5/7 अंक हासिल करके तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। अरोनियन ने 4 अंक हासिल किए और कार्लसन को पछाड़ दिया। ब्लैक ग्रुप में हिकारू नाकामुरा ने शानदार प्रदर्शन किया और 7 में से 6 अंक लेकर टॉप पर रहे।

हांस नीमन, जिन्होंने शुरुआत में 5 में से 4.5 अंक हासिल किए थे, उन्होंने भी अगले दौर में जगह बना ली। उनके साथ फैबियानो कारूआना और अर्जुन एरिगैसी भी आगे बढ़े। कारूआना ने अपने शुरुआती छह मुकाबले ड्रॉ खेले थे, लेकिन आखिरी राउंड में नीमन को हराकर जरूरी जीत दर्ज की। लास वेगास के विंन होटल में फ्रीस्टाइल शतरंज की यूएस में पहली बार हो रही शुरुआत के साथ अब 16 खिलाड़ी नॉकआउट स्टेज में पहुंच चुके हैं। इनमें से आधे खिलाड़ी, जैसे कार्लसन और कीमर, निचले ब्रैकेट से आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे, जबकि बाकी खिलाड़ी सीधे खिताब की दौड़ में बने रहेंगे। गुरुवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

इनमें हारने वाले खिलाड़ी ऊपरी ब्रैकेट से निकलकर निचले ब्रैकेट में चले जाएंगे, जबकि जीतने वाले खिलाड़ी 2 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि के लिए मुकाबला जारी रखेंगे।

मैंने यह ऋषभ पंत से सीखा है, दीप्ति शर्मा ने एक हाथ से लगाए छक्के का श्रेय पंत को दिया

साउथेम्प्टन (यूके), एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ पहले वनडे में अपनी शानदार पारी पर बात की, जहां वह जेमिमा के साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रही थीं और ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थीं। दीप्ति शर्मा के शानदार अर्धशतक और ऑलराउंडर स्नेह राणा के शानदार स्पेल ने गुरुवार को साउथेम्प्टन में तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में इंग्लैंड पर चार विकेट से जीत हासिल करने में भारत की अहम भूमिका निभाई। भारतीय महिला टीम ने अब अपने पिछले 12 वनडे में से 11 जीते हैं, और यह सिलसिला दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हुआ था।

दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद कहा, मैं ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थी। मैं जेमिमा के साथ साझेदारी बनाना चाहती थी, लगातार 5-6 रन प्रति ओवर बनाना चाहती थी। (उनके स्वीप शॉट्स पर) मैंने शुरुआती दिनों में इस पर काफी काम किया है, और इस तरह की पिच पर इससे मदद मिलती है। (एक हाथ से छक्का लगाने पर) मैं ये शॉट अभ्यास में खेलती हूं, मैंने ये ऋषभ पंत से सीखा है।

विराट कोहली ही जिम्मेदार!

कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु भगदड़ केस में सौंपी रिपोर्ट, गंभीर लापरवाहियों का जिक्र

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु में आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट में विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है. इस रिपोर्ट में कई गंभीर लापरवाहियों का जिक्र किया गया है और खास बात यह है कि इस पूरी घटना में टीम के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली का नाम भी सामने आया है. बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंपी है. बेंगलरु में 4 जून को विक्ट्री परेड से पहले यह भगदड़ हुई थी. जो रिपोर्ट सरकार ने हाइकोर्ट में सौंपी है, उसमें कई तरह की गंभीर लापरवाहियों का जिक्र है. गौर करने वाली बात यह है कि इस पूरी घटना में विराट कोहली का नाम भी सामने आया है. रिपार्ट में कहा गया है कि विराट कोहली ने वीडियो में फैन्स से फ्री में विक्ट्री परेड में आने की अपील की.

संन्यास लेने जा रहे आंद्रे रसेल!

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में घरेलू मैदान पर खेलेंगे आखिरी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले हैं। रसेल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में चुना गया है। वह इस सीरीज में अपने घरेलू मैदान पर आखिरी मैच खेलेंगे। रिपोर्ट के अनुसार आंद्रे रसेल अपना फेयरवेल मैच घरेलू मैदान जमैका के सबीना पार्क में खेलेंगे। सीरीज के शुरुआती दो मैच यहीं 20 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे। रसेल 2019 से इंटरनेशनल क्रिकेट में केवल टी20 खेले हैं और वर्तमान में 84 मैच खेल चुके हैं। रसेल ने अगले टी20 विश्व कप से सात महीने पहले संन्यास का ऐलान किया है। फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होगा। निकोलस पूरन के बाद रसेल दो महीने से भी कम समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी होंगे।

जापान ओपन बेडमिंटनः

सिंधू के बाद लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग भी हारे, जापान ओपन से हुए बाहर

टोक्यो, एजेंसी। 23 वर्षीय लक्ष्य ने पहले मैच में चीन के वांग झेंग जिंग पर 21-11, 21-18 से जीत दर्ज की थी, लेकिन वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख सके। भारतीय खिलाड़ियों का जापान ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन गुरुवार को भी जारी रहा। लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी दूसरे दौर में हारकर इस सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को पुरुष एकल में जापान के कोडाई नाराओका के हाथों 19-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला करीब एक घंटे तक चला। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले मैच में चीन के वांग झेंग जिंग पर 21-11, 21-18 से जीत दर्ज की थी, लेकिन वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख सके। इससे पहले पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी को चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 44 मिनट तक चले मुकाबले में 22-24, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता वेई केंग और वांग चांग ने भारतीय जोड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 7-2 कर लिया। सात्विक और चिराग ने धीमी शुरुआत की लेकिन जल्द ही लय हासिल करके पहले गेम में 18-14 से बढ़त बना ली।

भारतीय जोड़ी हालांकि अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख पाई और चीन की जोड़ी ने वापसी करते हुए पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भारतीय टीम आक्रमण और रक्षा दोनों में लड़खड़ा गई और उसे वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा।

ला लीगा के शुरुआती मैच से बाहर

बेलिंगहैम ने करवाई कंधे की सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी । रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम ने अपने कंधे की सफल सर्जरी करवाई है। ऐसे में अब बेलिंगहैम को कम से कम छह हफ्तों के लिए मैदान से दूर रहना होगा। वह ला लीगा के शुरुआती मुकाबले नहीं खेल सकेंगे। बेलिंगहैम को नवंबर 2023 से कंधे में तकलीफ थी। ला लीगा मैच के दौरान उनका कंधा खिसक गया था। तभी से बेलिंगहैम अपनी जर्सी के नीचे सपोर्ट ब्रेस पहनकर खेलते रहे। बेलिंगहैम ने क्लब वर्ल्ड कप के बाद ही सर्जरी कराने का फैसला किया था, ताकि रियल मैड्रिड के लिए उस टूर्नामेंट में खेल सकें। हालांकि, उनकी टीम सेमीफाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन से हारकर बाहर हो गई थी।

रियल मैड्रिड ने अपने बयान में कहा, बार-बार होने वाले खिसकाव की समस्या के इलाज के लिए जूड बेलिंगहैम के कंधे की सर्जरी हुई। यह ऑपरेशन डॉक्टर मैनुएल लेयेस और एंड्रयू वालेस ने रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज की निगरानी में किया।

ऋषभ पंत को तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है: जैक रसेल

लंदन, एजेंसी। लंदन के एक पॉश इलाके में पेंटिंग बनाने में व्यस्त इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज जैक रसेल का मानना है कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं लेकिन उन्हें विकेटकीपिंग की कुछ तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है। रसेल को क्रिकेट जगत की खबरों पर नजर रखना पसंद है। अगर वह मैदान पर नहीं होते तो वह लाइव स्कोर देखते हैं। वह रोज पेंटिंग करते है, फिर भी उन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के लिए लॉर्ड्स जाने का समय निकाला।

खुद एक विकेटकीपर होने के नाते उनके पास जैमी स्मिथ और पंत जैसे खिलाड़ियों के लिए एक सलाह भी है। उन्होंने कहा, 'कई अच्छे विकेटकीपर रहे हैं। मैं कहूंगा कि मेरे समय में एलन नॉट और बॉब टेलर मेरे दो नायक थे। रसेल ने कहा, 'लेकिन मुझे सैयद किरमानी को देखना पसंद था। जब मैं छोटा था, तब मैं उन्हें बहुत देखता था। मुझे लगता था कि वह एक अच्छे विकेटकीपर हैं।

मौजूदा विकेटकीपरों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पंत की बात करूं तो आपको उन्हें खेलते हुए देखना पंसद आएगा ही। वह चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों, या विकेटकीपिंग, आपको उन्हें देखना अच्छा लगेगा। इसलिए वह एक मनोरंजक खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि वह कार दुर्घटना के बाद भी क्रिकेट भी खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ी जैमी स्मिथ इंग्लैंड के सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज और विकेटकीपर बनेंगे क्योंकि उनमें बहुत हुनर है। आप उसे गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रख सकते हैं। पंत की विकेटकीपिंग में किसी कमी के बारे में पूछने पर रसेल ने कहा, 'वह गलतियां करेगा क्योंकि तकनीकी रूप से कुछ चीजें हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है। लेकिन वह शानदार प्रदर्शन करेगा और गलतियां भी करेगा। ज्यादातर विकेटकीपर गलतियां करते हैं। इंग्लैंड में विकेट लेना काफी मुश्किल है।

इसलिए वह यहां परफेक्ट नहीं होगा, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बहुत मजबूत है। रसेल ने कहा, 'पर उसे विकेटकीपिंग में कुछ काम करने की जरूरत है, स्टंप तक खड़े होने में बस थोड़े-बहुत बदलाव करने होंगे। अगर वह मुझसे पूछेगा तो मैं उसे बता दूंगा। लेकिन ये छोटी चीजें हैं। यह 61 वर्षीय काउंटी क्रिकेट से संन्यास लेने के 20 साल से भी ज्यादा समय बाद अपनी चित्रकला के जरिए खेल से जुड़े हुए हैं। राइडर स्ट्रीट स्थित गैलरी की यात्रा किसी भी क्रिकेट प्रेमी को पुरानी यादों की सैर करा देगी। वह सोशल मीडिया पर अपनी पेंटिंग्स प्रोमोट करते हैं जिसमें उनके ज्यादातर फोलोअर्स भारतीय हैं। रसेल ने हाल में इंग्लैंड के लिए खेलने वाले पहले भारतीय रणजीतसिंहजी का चित्र बनाया।

रसेल ने कहा, 'हर साल मैं इतिहास के पन्नों से किसी का चित्र बनाने की कोशिश करता हूं। पिछले साल मैंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डगलस जार्डिन का चित्र बनाया था। इस साल मैंने रणजीतसिंहजी को चुना। अगर आप उनके बारे में पढ़े और उनके करियर पर नजर डालें तो वे एक 'स्ट्रोक प्लेयर थे। यह प्रदर्शनी में मेरे पसंदीदा चित्रों में से एक है। रसेल ने कहा, 'भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा मैच को देखते हुए मुझे लगा कि यह सही समय है।

बांग्लादेशी स्पिनर महेदी हसन की शानदार गेंदबाजी

● **हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा**

ढाका, एजेंसी। स्पिनर महेदी हसन ने बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच निर्णायक टी20आई मैच में 4-1-11-4 के औसत से शुरुआत की जिससे टाइगर्स ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में मैच और सीरीज दोनों जीतते हुए इतिहास रच दिया। एक छोर से गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए महेदी ने हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। महेदी ने पावरप्ले में दो ओवर फेंकते हुए किफायती चार विकेट लिए जिससे उन्होंने श्रीलंका के शीर्ष 5 बल्लेबाजों में से चार को आउट कर दिया, जिससे श्रीलंकाई टीम कोलंबो में निर्णायक मैच में सिर्फ 132/7 पर सिमट गई।

महेदी ने अपने शानदार स्पेल के जरिए आर प्रेमदासा स्टेडियम में टी20आई मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेहमान गेंदबाज होने का हरभजन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरभजन ने 2012 के टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया था और केवल 12 रन देकर 4 विकेट लिए थे जबकि महेदी ने 4 विकेट के लिए 11 रन दिए।

किसी गेंदबाज के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड इस भारतीय स्पिनर के नाम था, लेकिन 2021 की सीरीज में वानिंदु हसरंगा ने 4-9 के उल्लेखनीय आंकड़े के साथ भारतीय के रिकॉर्ड को तहस-नहस कर दिया।

टिम रॉबिंसन की करियर की सबसे बड़ी पारी

न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 21 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। जिम्बाब्वे में चल रही टी20 ट्राई-सीरीज 2025 के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका को 21 रन से हराया. इस जीत के नायक रहे युवा बल्लेबाज टिम रॉबिंसन, जिन्होंने संकट की घड़ी में 75 रन की नाबाद और मैच जिताऊ पारी खेली. एक समय न्यूजीलैंड की टीम महज 70 रन पर अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन रॉबिंसन की संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच की तस्वीर ही बदल दी.

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाए. शुरुआत बेहद खराब रही, जब सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट (22) और डेवोन कॉनवे (9) जल्दी आउट हो गए. इसके बाद डेरिल मिचेल (5), जेम्स नीशम (0) और मिचेल हे (2) भी कुछ खास नहीं कर सके.

टीम संकट में थी, लेकिन टिम रॉबिंसन ने एक छोर संभाले रखा और 57 गेंदों में 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन बनाए. यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. उनकी इस पारी में न सिर्फ क्लास थी बल्कि ज़रूरत के अनुसार आक्रामकता भी थी.

बेवन जैकब्स के साथ मजबूत साझेदारी

रॉबिंसन को अंत तक बेवन जैकब्स का साथ मिला, जिन्होंने 44 रन की नाबाद पारी खेली. दोनों ने मिलकर छठे विकेट के लिए 103 रन की अविजित साझेदारी की, जिसने न्यूजीलैंड को सम्मानजनक नहीं बल्कि मैच जिताऊ स्कोर तक पहुंचा दिया.

हॉकीः प्रो लीग का प्रदर्शन एशियाई खेलों और विश्व कप से पहले अच्छा सबक

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीजेश ने बुधवार की रात को एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए। हमने कड़ी चुनौती दी लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है जब परिणाम आपके पक्ष में नहीं आते हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान और गोलकीपर पी आर श्रीजेश का मानना है कि हाल ही में समाप्त हुई एफआईएच प्रो लीग अगले साल होने वाले एशियाई खेलों और विश्व कप से पहले पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम के लिए अच्छा सबक है। भारत को प्रो लीग के यूरोपीय चरण में संघर्ष करना पड़ा और वह नौ टीमों में से आठवें स्थान पर रहा। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक विजेता टीमों का हिस्सा रहे श्रीजेश का मानना है कि खिलाड़ियों ने बहुत खराब प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन दुर्भाग्य से परिणाम टीम के पक्ष में नहीं रहे। श्रीजेश ने बुधवार की रात को एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए। हमने कड़ी चुनौती दी लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है जब परिणाम आपके पक्ष में नहीं आते हैं। हमारी तैयारी अच्छी थी, लेकिन दुर्भाग्य से परिणाम हमारे लिए अच्छे नहीं रहे लेकिन कोचों के पास एशिया कप के लिए टीम तैयार करने के लिए पर्याप्त समय है और

निश्चित रूप से अगले साल एशियाई खेल और विश्व कप भी है। श्रीजेश ने कहा, मुझे लगता है कि इस प्रो लीग ने हमें विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी के लिए कड़ा सबक सिखाया है।

एशियाई खेलों का आयोजन 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक जापान के आइची-नागोया में किया जाएगा। विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में आयोजित किया जाएगा। पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद संन्यास लेने के बाद श्रीजेश अब भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम के कोच हैं और वह इसका आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरी दिनचर्या पहले जैसी ही है। जब आप सुबह जल्दी उठते हैं तो खिलाड़ियों को तैयार करने के बारे में सोचते हैं। यह सुनिश्चित करते हैं कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं और बाकी दिन अगले सत्र की तैयारी करते हैं। अंतर सिर्फ इतना है कि पहले शारीरिक हिस्से पर अधिक जोर देना पड़ता था लेकिन अब दिमाग पर ज्यादा जोर देना पड़ता है लेकिन मैं इसका पूरा आनंद ले रहा हूं। भारत इस वर्ष 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में एफआईएच जूनियर विश्व कप की मेजबानी करेगा और श्रीजेश अपने खिलाड़ियों को तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके (खिलाड़ियों) लिए सबसे बड़ी चुनौती जूनियर विश्व कप है क्योंकि चार देशों के टूर्नामेंट और इस तरह की अन्य प्रतियोगिताएं उन पर जूनियर विश्व कप जितना दबाव नहीं डालतीं।

मेरा काम उन्हें इन टूर्नामेंट के लिए अच्छी तरह से तैयार करना है। जूनियर विश्व कप में भारत को पूल बी में पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण जूनियर विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं, लेकिन श्रीजेश किसी एक विशेष टीम पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहते हैं।

विदेश मंत्रालय के कर्मचारियों को हटाने से अमेरिका की कई प्रमुख प्राथमिकताओं पर पड़ सकता है असर

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय से पिछले सप्ताह 1,300 से अधिक कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया, जिनमें से कुछ कर्मचारी खुफिया गतिविधियों, विदेश में अमेरिकी ऊर्जा हितों और चीन के साथ सामरिक प्रतिस्पर्धा जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर काम कर रहे थे। इस कदम से अमेरिका में राजनयिक कर्मियों के बीच भूचाल आ गया। इससे न केवल उनका करियर अचानक खत्म हो गया बल्कि अमेरिका को सुरक्षित और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाए रखने को लेकर किए जा रहे कार्यों पर भी विराम लग गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के लिए वीजा धोखाधड़ी से निपटने और चीन से मुकाबला करने जैसी कुछ प्राथमिकताएं तय की हैं, जिसके अनुरूप विदेश मंत्री मार्को रुबियो की नाटकीय पुनर्गठन योजना के तहत शुक्रवार को कई पद और विभाग खत्म कर दिए गए। ट्रंप प्रशासन ने बड़े पैमाने पर छंटनी का बचाव करते हुए कहा है कि मंत्रालय को अधिक कुशल एवं दक्ष बनाने के लिए ऐसा करना आवश्यक था। नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों में 100 से अधिक कर्मचारी वाणिज्य दूतावास मामलों के ब्यूरो में काम करते थे। यह ब्यूरो पासपोर्ट और वीजा शुल्क के जरिए अपना खर्च खुद उठाता है। वर्तमान और पूर्व विदेश सेवा अधिकारियों द्वारा संकलित और इस सप्ताह संसद को भेजी गई सूची के अनुसार निकाले गए कर्मचारियों में पासपोर्ट धोखाधड़ी की जांच करने वाली टीम के आधे सदस्य और अमेरिका व विदेश में पासपोर्ट आवेदनों के प्रसंस्करण करने वाले 23 लोग शामिल हैं।

बर्खास्त किए गए अन्य लोगों में रूस और पूर्वी यूरोप में वीजा धोखाधड़ी व धन शोधन और मैक्सिको व मध्य अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों तथा प्रवासी श्रमिक वीजा धोखाधड़ी से निपटने के लिए जिम्मेदार विशेषज्ञ शामिल थे। सूची के अनुसार, पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के ब्यूरो में विभिन्न विषयों पर काम करने वाली एक छोटी टीम को भी उस समय निकाल दिया गया जब रुबियो कुआलालंपुर से वाशिंगटन वापस लौट रहे थे। इस टीम ने ही पिछले सप्ताह रुबियो की मलेशिया यात्रा की व्यवस्था की थी। कुछ कर्मचारियों ने बताया कि आव्रजन संबंधी काम करने वाले उनके छोटे से कार्यालय को बंद कर दिया गया। नौकरी से निकाले गए, 30 से अधिक वर्ष का अनुभव रखने वाले एक कर्मचारी ने कहा, यह सब अचानक हुआ। अब वह काम करने वाला कोई नहीं बचा है जो हम कर रहे थे। पिछले सप्ताह बर्खास्त किए गए खुफिया विभाग के एक सिविल सेवा अधिकारी ने कहा, अमेरिकी लोगों को मंत्रालय द्वारा किए गए कार्यों के बारे में सभी तथ्य नहीं मिल रहे हैं। पूर्व अधिकारी ने कहा कि खुफिया गतिविधियों पर काम कर रही उनकी टीम को अब ऐसे कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसके पास संवेदनशील जानकारी को संभालने और आवश्यक समन्वय करने की क्षमता नहीं है। विदेश सेवा में 26 साल बिताने के बाद बर्खास्त किए गए एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनका कार्यालय विदेश में अमेरिकी ऊर्जा प्रभुत्व बनाए रखने के लिए काम कर रहा है। रुबियो ने इस साल की शुरुआत में विदेश मंत्री के पद पर अपनी नियुक्ति के संबंध में संसद में पेशी के दौरान कहा था कि ऊर्जा हमारी विदेश नीति का केंद्रबिंदु होगी। अधिकारी ने कहा, यह तथ्य है कि उन्होंने उन सभी ऊर्जा विशेषज्ञों को हटा दिया है जो विदेश में तेल और गैस की बिक्री को बढ़ावा देते थे। दो कर्मचारियों ने बताया कि रूस और यूक्रेन के मुद्दों में विशेषज्ञता रखने वाले कम से कम सात खुफिया विश्लेषकों तथा धाराप्रवाह चीनी भाषा बोलने वाले पांच कर्मचारियों को भी नौकरी से निकाल दिया गया।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में खाड़ी देशों के नेताओं से की मुलाकात

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दो खाड़ी देशों के नेताओं से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब इजराइल और सीरिया के बीच हिंसा ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के ट्रंप के संकल्प पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप ने बुधवार को ओवल ऑफिस में बहरीन के युवराज सलमान बिन हमद अल खलीफा के साथ बैठक की और कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल सानी के साथ भोज किया। गाजा में जारी संघर्ष और क्षेत्र की अन्य ज्वलंत समस्याओं के बीच ट्रंप ने आर्थिक विकास के माध्यम से राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देने पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। बहरीन के युवराज सलमान बिन हमद अल खलीफा से मुलाकात के दौरान ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा, उन्हें जो भी चाहिए था, (उसमें) हमने उनकी मदद की। और हमें जो भी चाहिए था, उन्होंने (उसमें) हमारी मदद की। बहरीन एक पुराना सहयोगी है जो पश्चिम एशिया में अमेरिकी पांचवें बेड़े की मेजबानी करता है। इस बेड़े का मुख्य मिशन पश्चिम एशिया में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना है। कतर के प्रधानमंत्री सानी बुधवार शाम ट्रंप के साथ रात्रिभोज के लिए व्हाइट हाउस में थे।

ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया बुलेट ट्रेन परियोजना की चार अरब डॉलर की धनराशि वापस ली

सैक्रामेंटो, भाषा। ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया की बुलेट ट्रेन परियोजना की धनराशि वापस ले ली है, जिससे इस बात को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है कि राज्य प्रशासन सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिलिस के बीच इस परियोजना के अपने पुराने वादे को कैसे पूरा कर पाएगा। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि वह इस परियोजना की चार अरब अमेरिकी डॉलर की राशि वापस ले रहा है। हालांकि, उसने कुछ सप्ताह पहले ही इस बात के संकेत दे दिए थे। परियोजना के लिए एक-चौथाई से भी कम राशि संघीय सरकार की ओर से दी गई थी जबकि शेष धनराशि राज्य सरकार ने मुहैया कराई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और परिवहन मंत्री सीन डफी, दोनों ने इस परियोजना की कड़ी आलोचना की और इसे कहीं नहीं जाने वाली ट्रेन बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, जिस रेलमार्ग का हमसे वादा किया गया था, वह आज तक नहीं बना और कभी बनेगा भी नहीं। इस परियोजना की लागत बहुत अधिक है और यह नियमों के पचड़ों में फंस चुकी है।

सिर्फ चार में से एक अमेरिकी वयस्क ने माना कि ट्रंप की नीतियों से मदद मिली: एपी-एनओआरसी सर्वेक्षण

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका में केवल एक-चौथाई वयस्कों का मानना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से उन्हें मदद मिली है। एक नए सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। सर्वेक्षण में अर्थव्यवस्था, आव्रजन, सरकारी खर्च और स्वास्थ्य सेवा जैसे प्रमुख मुद्दों पर ट्रंप के कार्यों को निराशाजनक पाया गया। एसोसिएटेड प्रेस - एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वेक्षण में शामिल किसी भी मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप बहुमत हासिल करने में विफल रहे। इस साल की शुरुआत से आव्रजन के मामले में भी ट्रंप की स्थिति थोड़ी कमजोर हुई है, जो उनके दूसरे कार्यकाल में उनकी एक बड़ी ताकत के रूप में उभरी थी।

अमेरिकी शुल्क के खतरे के बीच जापान का व्यापार घाटा बढ़ा

टोक्यो, भाषा। अमेरिकी शुल्क से निर्यात प्रभावित होने के कारण जापान को 2025 की पहली छमाही में 2200 अरब एन (15 अरब डॉलर) का व्यापार घाटा हुआ है। बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जापान के वाहनों और अन्य उत्पादों पर जून में 25 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद उसके निर्यात में सालाना आधार पर 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालांकि बातचीत के लिए समय देने हेतु बढ़े हुए अन्य आयात शुल्क को एक अगस्त तक के लिए टाल दिया है, लेकिन अभी तक कोई समझौता नहीं हो पाया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, वर्ष की पहली (जनवरी-जून) छमाही में जापान का निर्यात 3.6 प्रतिशत बढ़कर कुल 53400 अरब एन (360 अरब डॉलर) रहा जबकि आयात 1.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 55600 अरब एन (375 अरब डॉलर) हो गया। वहीं पहले छह महीनों में 2200 अरब एन (15 अरब डॉलर) का व्यापार घाटा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, निर्यात कुल मिलाकर जून में करीब 9200 अरब एन (62 अरब डॉलर) रहा, जो लगातार दूसरे महीने गिरावट का संकेत है। जून में आयात 0.2 प्रतिशत बढ़कर 9000 अरब एन (61 अरब डॉलर) हो गया। इससे व्यापार अधिशेष 153 अरब एन (लगभग एक अरब डॉलर) रहा।

1999 में प्रारंभिक खुदाई में 15 कंकाल मिले थे

श्रीलंका में चेम्मानी सामूहिक कब्रगाह से बच्ची के अवशेष मिले

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका के जाफना जिले में एक सामूहिक कब्रगाह से निकाले गए मानव अवशेषों में चार-पांच साल की एक लड़की के कंकाल की पहचान की गई है। 1990 के दशक के मध्य में लिट्टे संघर्ष के दौरान पहली बार यह कब्र चर्चा में आई थी। वकील जगनाथन तथपरन ने बृहस्पतिवार को कहा, फोरेंसिक पुरातत्वविद राज सोमदेव ने चेम्मानी में स्थित सामूहिक कब्र की खुदाई के निष्कर्षों की रिपोर्ट 15 जुलाई को जाफना मजिस्ट्रेट की अदालत को दी थी। राज सोमदेव इस खुदाई की देखरेख कर रहे थे। इस वर्ष के आरंभ में, न्यायालय ने सामूहिक कब्र स्थल पर नियमित विकास कार्य के दौरान मानव कंकाल के अवशेष मिलने के बाद कानूनी निगरानी में खुदाई का आदेश दिया था। तथपरन ने बताया कि बच्ची के अवशेष के साथ स्कूल बैग और खिलौने मिले हैं। सोमदेव ने अदालत को बताया कि वह 4-5 साल की उम्र की एक लड़की थी। वकील ने बताया कि कपड़ों और शारीरिक विशेषताओं में समानता के आधार पर दो और कंकाल भी बच्चों के होने का संदेह है। चेम्मानी स्थल ने पहली बार 1998 में सभी का ध्यान आकर्षित किया था, जब एक श्रीलंकाई सैनिक ने वहां सामूहिक कब्रों के अस्तित्व के बारे में गवाही दी थी।

वहां 1990 के दशक के मध्य में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) और श्रीलंका सरकार के बीच संघर्ष के दौरान कथित तौर पर मारे गए सैकड़ों नागरिकों की कब्रें थीं। साल 1999 में प्रारंभिक खुदाई में 15 कंकाल मिले थे, जिसके बाद से हाल तक कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। यह कब्रगाह देश भर में खोजे गए दर्जनों स्थलों में से एक है। श्रीलंका में 2009 में खत्म हुए 26 साल लंबे गृहयुद्ध के दौरान हजारों लोग मारे गए और लापता हो गए। मुख्य तमिल राजनीतिक दल इलंकाई तमिल अरासु कच्ची (आईटीएके) ने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को लिखे एक पत्र में इस बात पर जोर दिया कि चेम्मानी सामूहिक कब्रगाह युद्ध अपराधों और तमिलों के खिलाफ एक नरसंहार अभियान का स्पष्ट प्रमाण है। दस जुलाई को रोक दिया गया उत्खनन कार्य 21 जुलाई को फिर से शुरू होने वाला है। एमनेस्टी इंटरनेशनल का अनुमान है कि 1980 के दशक के उत्तरार्ध से श्रीलंका में 60,000 से 100,000 लोग लापता हुए। श्रीलंका में तमिल समुदाय का दावा है कि गृहयुद्ध के अंतिम चरण में लगभग 1,70,000 लोग मारे गए थे, जबकि संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार यह संख्या 40,000 है। लिट्टे तमिलों के लिए एक अलग मातृभूमि की मांग कर रहा था।

इराक के वासित प्रांत में मॉल में भीषण आग, 60 से अधिक लोगों की मौत

» बगदाद, भाषा।

इराक के पूर्वी वासित प्रांत में स्थित एक मॉल में बुधवार को लगी भीषण आग में महिलाओं और बच्चों समेत 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह शॉपिंग मॉल हाल ही में खुला था। इराक के गृह मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कुत शहर में स्थित इस मॉल में बुधवार को देर शाम आग लगी जिसमें 61 लोग मारे गए हैं। बयान के अनुसार, ज्यादातर लोगों की जान दम घुटने से गई। बयान में बताया गया है कि बुरी तरह जल चुके 14 शवों की पहचान नहीं हो पाई है। बयान के अनुसार, पूर्वी इराक के वासित प्रांत में स्थित इस मॉल की पांच मंजिला इमारत से नागरिक सुरक्षा दलों ने 45 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जो आग की वजह से अंदर फंस गए थे। यह मॉल केवल एक सप्ताह पहले ही खोला गया है। इस मॉल में एक रेस्टोरेंट और सुपरमार्केट भी हैं। सरकारी इराकी समाचार एजेंसी के अनुसार, कई लोग अब भी लापता हैं। स्थानीय मीडिया में जारी तस्वीरों और वीडियो में पूरी इमारत को आग की लपटों में घिरी नजर आ रही है।

प्रांतीय गवर्नर मोहम्मद अल-मैय्हे ने इस भीषण हादसे पर तीन दिन के शोक की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच जारी है और मॉल एवं इमारत के मालिकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। अल-मैय्हे ने कहा, हम निर्दोष पीड़ितों के परिवारों को आश्वस्त करते हैं कि इस घटना के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट 48 घंटे के भीतर जारी कर दी जाएगी। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सूदानी ने एक बयान में कहा कि उन्होंने गृह मंत्री को घटनास्थल पर जाकर जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपाय करने के निर्देश दिए हैं। गवर्नर ने इस त्रासदी पर तीन दिनों के शोक की घोषणा की है। इराक में भवन निर्माण के मजबूत मानक न होने के कारण पहले भी इस तरह की दुखद घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जुलाई 2021 में नसीरियाह शहर के एक अस्पताल में लगी आग में 60 से 92 लोगों की जान गई थी।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब में पिछले 24 घंटे में मूसलाधार बारिश से 30 लोगों की मौत, आपातकाल घोषित

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों में मूसलाधार बारिश की वजह से अलग-अलग घटनाओं में 30 लोगों की मौत के बाद प्रांतीय सरकार ने विभिन्न हिस्सों में वर्षा आपातकाल घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र चकवाल है, जो लाहौर से लगभग 300 किलोमीटर दूर है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में 423 मिलीमीटर बारिश हुई, जिससे इलाके में अचानक बाढ़ आ गई। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने यहां एक बयान में बताया, चकवाल में अचानक आई बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से बचाव अभियान जारी है।

बयान के मुताबिक, प्रांत में बृहस्पतिवार को मानसूनी बारिश जारी रहने की उम्मीद है और अधिकारियों ने नदियों और नालों के जलस्तर में संभावित भारी वृद्धि का अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों में हुई 30 मौतों के साथ ही पाकिस्तान में बारिश से संबंधित घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 170 हो गई है। बयान में बताया गया कि 26 जून को मानसून की पहली बारिश के बाद से सबसे ज्यादा मौतें पंजाब में हुई हैं। प्राधिकरण ने बताया कि पिछले 24 घंटों में बारिश से संबंधित घटनाओं में 30 लोगों की मौत के अलावा पंजाब में 300 लोग घायल हुए हैं। प्राधिकरण के मुताबिक, ज्यादातर मौतें लाहौर, फैसलाबाद, ओकारा, साहीवाल, पाकपट्टन और चकवाल में हुई हैं।

बीजिंग ने रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की मॉस्को की पहल का समर्थन किया

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने निष्क्रिय रूस-भारत-चीन (आरआईसी) त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की रूस की पहल के प्रति बृहस्पतिवार को अपना समर्थन व्यक्त किया। उसने कहा कि त्रिपक्षीय सहयोग न केवल तीनों देशों के हित साधता है, बल्कि क्षेत्र और विश्व की सुरक्षा और स्थिरता के लिए भी जरूरी है। रूसी समाचार पोर्टल इजवेस्तिया ने रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रुदेंको के हवाले से कहा कि मॉस्को आरआईसी प्रारूप की बहाली की उम्मीद करता है और इस मुद्दे पर बीजिंग और नई दिल्ली के साथ बातचीत कर रहा है। रुदेंको ने कहा, यह विषय दोनों देशों के साथ हमारी बातचीत में शामिल है। हम इस प्रारूप को सफल बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, क्योंकि तीनों देश (भारत, चीन, रूस) ब्रिक्स के संस्थापकों के अलावा महत्वपूर्ण साझेदार हैं। ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का अंतरसरकारी समूह है, जिसमें पांच अतिरिक्त सदस्य मिस, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को शामिल किया गया है।

रुदेंको ने कहा, इसलिए, मेरी राय में आरआईसी प्रारूप की कमी अनुचित है। हम उम्मीद करते हैं कि संबंधित देश आरआईसी के ढांचे के भीतर फिर से काम शुरू करने पर सहमत होंगे। बेशक तब, जब इन देशों के बीच संबंध उस स्तर पर पहुंच जाएंगे, जो उन्हें त्रिपक्षीय प्रारूप में काम करने की अनुमति देता है। एक संवाददाता सम्मेलन में रुदेंको की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, चीन-रूस-भारत सहयोग न केवल तीनों देशों के संबंधित हितों की पूर्ति करता है, बल्कि क्षेत्र और विश्व में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और प्रगति को बनाए रखने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि चीन त्रिपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के वास्ते रूस और भारत के साथ संवाद बनाए रखने के लिए तैयार है। आरआईसी को पुनर्जीवित करने में रूस और चीन की दिलचस्पी हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करने के बाद बढ़ी है। इस दौरान, जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग ई और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी-रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। लावरोव ने पिछले साल कहा था कि आरआईसी प्रारूप में संयुक्त कार्य पहले कोरोना वायरस महामारी के कारण और बाद में 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच सैन्य गतिरोध के कारण रुक गया था। लद्दाख में गतिरोध के कारण भारत-चीन संबंधों में चार साल से ज्यादा समय तक ठहराव रहा। पिछले साल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच कजान में हुई मुलाकात के बाद द्विपक्षीय संबंधों में फिर से जान आई। तब से, दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार बातचीत चल रही है।

भारत रूसी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध की आशंका से चिंतित नहीं, वैकल्पिक स्रोतों से खरीद बढ़ाएगा

नई दिल्ली, भाषा। भारत ने रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रतिबंध लगने की आशंका को ज्यादा महत्व न देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उसे अपने तेल आयात की जरूरतों को वैकल्पिक स्रोतों से पूरा करने का भरोसा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक भारत रूस से तेल की आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा से निपटने के लिए अन्य देशों से तेल खरीद सकता है। पुरी ने रूस पर संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, मेरे दिमाग में इसे लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है। भारत तेल आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाया है। हम पहले 27 देशों से तेल खरीदते थे, अब यह संख्या बढ़कर लगभग 40 हो गई है। वह हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) की तरफ से आयोजित वार्षिक सम्मेलन ऊर्जा वार्ता में शिरकत के लिए आए थे। भारत कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात से पूरी करता है। परंपरागत रूप से पश्चिम एशिया भारत का मुख्य तेल आपूर्तिकर्ता रहा है, लेकिन पिछले तीन वर्षों में रूस प्रमुख स्रोत के रूप में उभरकर सामने आया है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था। उस समय रूस ने कच्चे तेल पर भारी छूट देनी शुरू कर दी थी जिससे भारत जैसे देशों को बहुत फायदा हुआ।

साइबर अपराध पर हालिया कार्रवाई में 1,000 लोग गिरफ्तार

» नोम पेन्ह, भाषा।

प्रधानमंत्री हुन मानेट द्वारा सरकारी निकायों को देश में साइबर अपराधों पर नकेल कसने के आदेश के परिणामस्वरूप इस सप्ताह अब तक 1,000 से ज्यादा संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हुन मानेट ने सुरक्षा-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को कार्रवाई करने का अधिकार देते हुए यह आदेश जारी किया था। हुन मानेट ने मंगलवार को एक बयान में कहा, सरकार ने पाया है कि ऑनलाइन (साइबर) घोटाले वर्तमान में दुनिया और क्षेत्र में खतरा व असुरक्षा पैदा कर रहे हैं।

कंबोडिया में, विदेशी आपराधिक समूह भी साइबर घोटाले करने के लिए घुसपैठ कर चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों का अनुमान है कि साइबर घोटालों से अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों को सालाना अरबों डॉलर की कमाई होती है। सूचना मंत्री नेथ फेकट्रा और पुलिस के बयानों के अनुसार, सोमवार से बुधवार के बीच कम से कम पांच प्रांतों में छापेमारी के दौरान 3,000 से ज्यादा संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

उच्च शिक्षा जगत की समीक्षा — एआई तकनीक का प्रभाव छात्रों और शिक्षकों के संबंधों पर पड़ रहा

विश्वविद्यालयों में एआई को लेकर छात्र महसूस कर रहे हैं बेचैनी, भ्रम और अविश्वास : अध्ययन

» पिट्सबर्ग, भाषा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आगमन ने उच्च शिक्षा जगत में सरलता के साथ ही चिंता और असमंजस की लहर भी पैदा कर दी है। शुरुआती अध्ययनों में संकेत मिला है कि एआई टूल्स से विद्यार्थियों की समालोचनात्मक सोच और समस्या सुलझाने की क्षमता कमजोर हो सकती है। साथ ही, यह भी सामने आया है कि छात्र असाइनमेंट करने के लिए चैटबॉट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं और खुद परिश्रम नहीं कर रहे। लेकिन छात्रों का एआई को लेकर खुद क्या नजरिया है? और यह तकनीक उनके सहपाठियों, शिक्षकों और पढ़ाई के साथ उनके संबंधों को किस तरह प्रभावित कर रही है? पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के एक समूह ने इस विषय पर अध्ययन किया है।

समूह ने 2025 की वसंत ऋतु में विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में 95 छात्रों के साथ समूह बनाकर चर्चा की। अध्ययन में यह सामने आया कि भले ही छात्र या शिक्षक एआई का प्रयोग कर रहे हों या नहीं, यह तकनीक कक्षा में सीखने की प्रक्रिया और आपसी भरोसे को प्रभावित कर रही है। ज्यादातर प्रतिभागी छात्रों ने बताया कि उन्होंने अकादमिक कार्यों में एआई का इस्तेमाल किया है खासकर तब, जब समय की कमी हो, काम को बोझिल समझा जाए या वे किसी कार्य को अकेले पूरा करने में अक्षम महसूस करें। अधिकतर छात्र प्रोजेक्ट की शुरुआत एआई से नहीं करते, लेकिन बाद के किसी चरण में उसका सहारा लेते हैं। कुछ छात्रों ने एआई को अध्ययन में उपयोगी बताया। कई बार उन्होंने इसे शिक्षक, ट्यूटर या टीए यानी टीचिंग असिस्टेंट की जगह इस्तेमाल किया। एक छात्रा ने कहा, चैटजीपीटी से आप जितने चाहें उतने सवाल पूछ सकते हैं और यह आपके बारे में कोई राय नहीं बनाएगा। हालांकि, एआई का उपयोग करने पर छात्र खुद को दोषी या शर्मिंदा महसूस करते हैं। कुछ ने इसे आलस्य, पर्यावरणीय या नैतिक चिंता से जोड़कर देखा। कुछ छात्रों ने एआई के बढ़ते प्रभाव को अनिवार्य और अपरिहार्य मानते हुए असहाय होने की भावना भी व्यक्त की। अनेक छात्रों को यह स्पष्ट नहीं था कि एआई का कब और कैसे उपयोग स्वीकार्य है। शहरी नियोजन की एक छात्रा ने कहा, मैं असमंजस में हूं कि उम्मीदें क्या हैं। एक अन्य छात्र ने कहा, छात्र और शिक्षक एक ही जगह पर नहीं हैं। वास्तव में कोई भी नहीं है। कुछ छात्रों ने अपने उन सहपाठियों के प्रति अविश्वास और हताशा भी जाहिर की, जो एआई पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं। एक छात्र ने बताया कि जब उसने किसी से मदद मांगी, तो पता चला कि मदद कैसे मिलेगी क्योंकि उसके साथी ने तो केवल चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया था और स्वयं कुछ नहीं सीखा। समूह कार्यों में भी एआई का उपयोग रेड फ्लैग के रूप में देखा गया। एक छात्र ने कहा, मुझे उनके काम की भी दोबारा जांच करनी पड़ती है। मतलब मेरा काम बढ़ जाता है। छात्रों और शिक्षकों दोनों के बीच अविश्वास की भावना स्पष्ट रूप से देखी गई। कुछ छात्रों को आशंका थी कि अगर अन्य एआई से बेहतर ग्रेड पा रहे हैं, तो वे पीछे छूट सकते हैं। इससे छात्र आपस में भावनात्मक दूरी बनाने लगे हैं। शोध में यह भी सामने आया कि एआई तकनीक का प्रभाव न केवल शैक्षणिक प्रक्रिया पर, बल्कि छात्रों और शिक्षकों के संबंधों पर भी पड़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि छात्र शिक्षकों से मार्गदर्शन लेने से बच रहे हैं और उनके संबंधों में दूरी आ रही है तो विश्वविद्यालयों को वैकल्पिक तरीकों पर विचार करना होगा।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने आईएसए बैठक में कहा ऊर्जा समानता के लिए मजबूत क्षेत्रीय सहयोग जरूरी

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने बृहस्पतिवार को ऊर्जा समानता की तत्काल जरूरत बताते हुए मजबूत क्षेत्रीय सहयोग, प्रौद्योगिकी तक सभी की पहुंच और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों (एसआईडीएस) एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए समर्थन का आह्वान किया। कोलंबो में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय समिति की सातवीं बैठक में अपने संबोधन में हरिनी ने सौर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए कोलंबो में क्षेत्रीय केंद्र के रूप में स्टार (एसटीएआर) केंद्र की स्थापना की भी घोषणा की। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) एक वैश्विक पहल है जिसकी शुरुआत 2015 में भारत और फ्रांस ने पेरिस में सीओपी21 में की गई। इसके 124 सदस्य और हस्ताक्षरकर्ता देश हैं। आईएसए के बयान के अनुसार, श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा, ऊर्जा समानता की तत्काल जरूरत है।

इसके लिए मजबूत क्षेत्रीय सहयोग, प्रौद्योगिकी तक सभी की पहुंच और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों (एसआईडीएस) एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हम वैश्विक सौर सुविधा के विस्तार के लिए आईएसए के प्रयासों का स्वागत करते हैं। इस क्षेत्र के छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए मजबूत दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। इन देशों को उच्च लागत, सीमित भूमि एवं ग्रिड संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन साथ ही यहां विकेंद्रीकृत सौर एवं भंडारण-आधारित समाधानों में अपार संभावनाएं भी हैं। बयान के अनुसार, इस दौरान श्रीलंका और आईएसए के बीच देश साझेदारी रूपरेखा (सीपीएफ) पर हस्ताक्षर हुए जो देश में सौर ऊर्जा के विस्तार, वित्तपोषण एवं संस्थागत क्षमता निर्माण की रणनीति तय करता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,